केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
17 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जीवन में आनंद एक आभास है, जिसे हर कोई ढूंढ रहा है, दुःख एक अनुभव है, जो आज हर एक के पास है, फिर भी जिंदगी में कामयाब वही है,जिसको खुद पर विश्वास है

वर्ष : 17 अंक : 17 | उज्जैन, शनिवार 27 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

कोलकाता को बड़ा आर्थिक और शहरी हब बनाना जरूरी, बोले प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य संजीव सान्याल

कोलकाता/ जीएनएस। पूर्वी भारत में तेजी से विकास करने वाले शहरों का नेटवर्क बनाने और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए कोलकाता को एक बड़े शहरी और आर्थिक केंद्र के तौर पर फिर से विकसित करना आवश्यक है। यह बयान शुक्रवार को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति (ईएसी) के सदस्य संजीव सान्याल ने दिया। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए सान्याल ने कहा कि विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए पूर्वी भारत और बंगाल का विकसित होना जरूरी है,और इसमें कोलकाता इस क्षेत्र का सबसे बड़ा शहरी केंद्र बना रहेगा। सान्याल ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित पूर्वी भारत और विकसित बंगाल की जरूरत है, और इसमें विकसित कोलकाता की अहम भूमिका है। उन्होंने ने पूर्वी भारत में तेजी से बढ़ रहे शहरी केंद्रों का नेटवर्क बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने ने कहा कि पटना, गुवाहाटी, रांची और भुवनेश्वर जैसे शहरों को भी ग्रोथ सेंटर के तौर पर उभरने की जरूरत है, लेकिन कोलकाता इस इलाके का सबसे बड़ा हब बना हुआ है और पूर्वी भारत में तेजी से आर्थिक विकास के लिए इसका फिर से आगे बढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने ने कहा कि हमें पटना, गुवाहाटी, रांची और भुवनेश्वर की जरूरत है, उन्हें भी तेजी से आगे बढ़ना होगा, लेकिन सच तो यह है कि कोलकाता अभी भी सबसे बड़ा हब है, इसलिए शहरी हब के इस नेटवर्क को तेजी से बढ़ाने के लिए कोलकाता को फिर से सक्रिय करना बहुत जरूरी है। सान्याल ने कोलकाता के शहरी इकोसिस्टम में निवेश करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि शहर की विकास की रफ्तार को फिर से पटरी पर लाने के लिए कई कदम उठाने होंगेहों गे। इनमें रीडेवलपमेंट की पहल और उन औद्योगिक नीतियों में बदलाव शामिल हैं जो शायद कारोबार और निवेश के लिए काफी मददगार नहीं हैं। उन्होंने ने कहा कि बंगाल का व्यापार और उद्यमिता का लंबा इतिहास रहा है और कारोबार राज्य की संस्कृति में गहराई से रचा-बसा है। उनके अनुसार, इनोवेशन, जोखिम उठाने और उद्यमिता की उस भावना को फिर से जगाने की जरूरत है जिसके लिए बंगाली लोग ऐतिहासिक रूप से जाने जाते थे। सान्याल ने कहा कि विकसित भारत बनाने के बड़े लक्ष्य में एक विकसित बंगाल को अहम भूमिका निभानी होगी, और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कोलकाता के आर्थिक और शहरी इकोसिस्टम को मजबूत करना सबसे जरूरी होगा।

फाइबर से भरपूर आहार कोलोरेक्टल कैंसर से बचाव में कर सकता है मदद, शोध में बड़ा दावा

नई दिल्ली/ जीएनएस। एक नए शोध में कैंसर से जुड़े गट माइक्रोबायोम पैटर्न और आहार में कम फाइबर लेने के बीच संबंध पाया गया है। साथ ही, फाइबर का अधिक सेवन करने से माइक्रोबायोम में कोलोरेक्टल कैंसर के संकेत कम पाए गए। यह शोध सेल होस्ट एंड माइक्रोब जर्नल में छपी है। इसमें बताया गया है कि भोजन में खासकर फाइबर का सेवन आंतों में मौजूद बैक्टीरिया में बदलाव लाकर कोलोरेक्टल कैंसर के जोखिम, उसके बढ़ने या उससे बचाव में सहायक हो सकता है। यूरोपियन मालिक्यूलर बायोलाजी लेबोरेटरी के शोधकर्ताओं ने 27 शोध के आंकड़ों का दोबारा विश्लेषण किया, जिसमें 6,779 उपलब्ध गट माइक्रोबायोम सीक्वेंसिंग प्रोफाइल शामिल थे। उन्होंने स्टूल-बेस्ड माइक्रोबायोम सिग्नल्स की तुलना सीधे ट्यूमर टिश्यू में पाए जाने वाले माइक्रोब्स से करने के लिए 906 इंटेस्टाइनल टिश्यू सैंपल्स का भी विश्लेषण किया। टीम ने कोलोरेक्टल कैंसर से जुड़े माइक्रोबियल सिग्नेचर की पहचान की।शोधकर्ता जार्ज जीलर ने कहा, ÷हमने मल और टिश्यू की तुलना, खान-पान से जुड़ी जानकारी, बैक्टीरिया के प्रकारों (स्ट्रेन) तक का वर्गीकरण विश्लेषण और बीमारी फैलाने वाले कारकों के काम करने के तरीके का विश्लेषण किया।

सशक्त लोकतंत्र ही हमारी पहचान, हम लोकतंत्र सेनानियों का ऋण कभी नहीं चुका पाएंगे: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पीएमश्री एयर एंबुलेंस की मिलेगी नि :शुल्क सुविधा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट हित से बढ़कर कुछ भी नहीं है। राष्ट हित में ही सबका हित निहित है। सशक्त लोकतंत्र ही भारत राष्ट की सबसे बड़ी ताकत है, जिसने देश को वैश्विक पटल पर एक विशिष्ट और सम्मानजनक पहचान दिलाई है। लोकतंत्र सेनानियों ने देश में लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए अपना खून-पसीना बहाया, अमानवीय अत्याचार सहे और अनेक लोगों ने अपने प्राणों की आहुति तक दे दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा हम सभी भारतवासी इन लोकतंत्र सेनानियों का ऋण कभी नहीं चुका पाएंगे। आज देश की एकता, विविधता, अखंडता और अक्षुण्णता इन्हीं साहसी, समर्पित एवं राष्टनिष्ठ कर्मवीरों की ही देन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को लोकतंत्र सेनानी स्मृति दिवस के अवसर पर रवीन्द्र भवन में आयोजित लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए कठिन से कठिन यातनाएं सहने वाले वीर लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनका त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमूल्य स्रोत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जावरा, जिला रतलाम निवासी 96 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी श्री लक्ष्मी नारायण पाटीदार और 95 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी श्री शांतिलाल संघवी सहित आपातकाल के दौरान प्रमुख भूमिका में रहे पूर्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता का शील्ड प्रदान कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रादेशिक सम्मेलन में आए सभी लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प-वर्षा कर उनका स्वागत-सम्मान किया। सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदे मातरम् गायन के साथ हुआ। सम्मेलन में देश में आपातकाल पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपातकाल पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

लोकतंत्र सेनानियों के हित में की घोषणाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में घोषणा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में लोकतंत्र सेनानियों के लिए स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था कर उन्हें तीर्थ दर्शन कराया जायेगा। इनके लिए शासकीय रेस्ट हाउस में 2 दिन तक रूकने की व्यवस्था भी की जाएगी। दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के नाम पर शिलालेख लिखवाये जायेंगे एवं उनके गांव, कस्बे, नगर या निवास क्षेत्र के समीप मौजूद सार्वजनिक भवनों, पार्क एवं रोड आदि का नाम भी इनके नाम पर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि लोकतंत्र सेनानियों के इलाज का सारा खर्चा अब सरकार उठाएगी। किसी लोकतंत्र सेनानी के बीमार पड़ने पर उन्हें उत्कृष्ट और बड़े स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने के लिए पीएमश्री एयर एंबुलेंस की नि÷शुल्क सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी लोकतंत्र सेनानियों को ताम्रपत्र दिया जाएगा। लोकतंत्र सेनानियों द्वारा अपने निवास के पते पर बदलाव होने पर उन्हें दी जा रही सम्मान निधि से संबंधित बैंक या शाखा बदलने की सुविधा भी दी जाएगी। किसी भी शासकीय कार्यालय में लोकतंत्र सेनानियों के पहुंचने पर संबंधित अधिकारी पूरे सम्मान और प्राथमिकता के साथ इनकी बात सुनेंगे तथा इनके सुझाव भी माने जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस प्रकार आजादी की लड़ाई में स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर मातृभूमि की रक्षा की थी, उसी प्रकार आपातकाल के उस काले दौर में लोकतंत्र सेनानियों ने अनेक कष्ट सहकर मातृभूमि के मूल ÷लोकतंत्र÷ की रक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यदि लोकतंत्र सेनानी अपने लक्ष्य से अडिग, अटूट और दृढ़ संकल्पी न होते, तो भारत इतना मजबूत लोकतंत्र न होता। लोकतंत्र सेनानियों के अथक संघर्ष से ही हमारा लोकतंत्र सुरक्षित भी है और समृद्ध भी।

योगी मॉडल पर बंगाल में भी 'गुंडा नियंत्रण' कानून: एक साल तक नजरबंदी, संपत्ति जब्ती का प्राविधान

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा और सख्त कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सरकार 'द वेस्ट बंगाल पब्लिक सेफ्टी एंड कंट्रोल आफ एंटी-सोशल एक्टिविटीज बिल, 2026' लेकर आने जा रही है। गुजरात और उत्तर प्रदेश की तर्ज पर तैयार इस विधेयक का गजट नोटिफिकेशन जारी हो चुका है और इसे आगामी सोवमार को विधानसभा में पेश किया जा सकता है।

इस प्रस्तावित कानून का मुख्य उद्देश्य संगठित समाजविरोधी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और कानून-व्यवस्था को मजबूत करना बताया गया है। बिल की सबसे अहम विशेषता यह है कि किसी व्यक्ति को जन सुरक्षा के लिए खतरनाक मानते हुए बिना मुकदमे के एक वर्ष तक प्रतिरोधात्मक हिरासत में रखा जा सकेगा। साथ ही, संगठित अपराध में शामिल व्यक्तियों की संपत्ति जब्त करने का भी प्रावधान रखा गया है। इसके लिए भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं का सहारा लिया जाएगा। अवैध खनन, सरकारी संपत्ति को नुकसान, हथियार और मादक पदार्थों से जुड़े अपराध तथा मानव तस्करी जैसी गतिविधियों को इस कानून के तहत समाजविरोधी कृत्य माना गया है।

कानून के क्रियान्वयन के लिए गठित होगी एडवाइजरी बोर्ड

बिल में गुंडा की परिभाषा भी विस्तृत की गई है, जिसमें संगठित अपराध से जुड़े व्यक्ति, ऐसे गिरोहों के सदस्य या नेता, और गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपपत्रित व्यक्ति शामिल होंगे। किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक या उससे ऊपर के अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी। वहीं, पुलिस को यह अधिकार भी दिया गया है कि संभावित अशांति को देखते हुए किसी व्यक्ति को किसी क्षेत्र से निष्कासित या प्रवेश से प्रतिबंधित किया जा सके। सरकार इस कानून के क्रियान्वयन के लिए एक एडवाइजरी बोर्ड भी गठित करेगी, जिसकी अध्यक्षता हाई कोर्ट के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश करेंगे।

बंगाल और पूर्वोत्तर में आतंकी साजिश का पर्दाफाश

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश की सुरक्षा में सेंध लगाने की एक और घिनौनी आतंकी साजिश का राष्टीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने पर्दाफाश कर दिया है।

प्रतिबंधित बांग्लादेशी आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के एक खतरनाक धड़े इमाम महमूदुर काफिला (आइएमके) द्वारा रची गई इस साजिश के मद्देनजर एनआइए ने गुवाहाटी की विशेष अदालत में 11 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

यह सिर्फ एक कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि देश की अखंडता को बचाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की एक बड़ी कामयाबी है। युवाओं के ब्रेनवॉश और देशविरोधी प्रोपेगैंडा का खतरनाक जाल एनआइए की जांच में सामने आया है कि इस साजिश का मुख्य मकसद भारतीय धरती पर नफरत के बीज बोना था।

जेएमबी के वरिष्ठ सदस्य इमाम महमूद हबीबुल्ला ने भारत में इस प्रतिबंधित संगठन के खतरनाक एजेंडे को फैलाने के लिए ही आइएमके नाम का यह नया गुट तैयार किया था। ये आरोपित देश के भोले-भाले और संवेदनशील युवाओं को अपना निशाना बना रहे थे।

एक पखवाड़े में जलाए जाएंगे 6000 करोड़ रुपये के ड्रग्स, अमित शाह करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली/ जीएनएस। अगले 15 दिनों में पूरे देश में 6000 करोड़ रुपये मूल्य के दो लाख किलोग्राम से अधिक ड्रग्स जलाए जाएंगे। गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नार्को कोआर्डिनेशन सेंटर (एनकोर्ड) की 10वीं बैठक के दौरान ड्रग्स नष्ट करने के पखवाड़े की शुरूआत करेंगे। इसके साथ ही शाह अगले तीन साल के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण के लिए बनाए गए विजन डाक्यूमेंट को भी जारी करेंगे। गृह मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को एनकोर्ड की बैठक के दौरान मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए किये जा रहे सामूहिक राष्टीय प्रयासों की समीक्षा की जाएगी।

मोदी सरकारी की जीरो टॉलरेंस नीति- मोदी सरकार की ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत अमित शाह ने साफ कर रखा है कि भारत में न तो एक ग्राम ड्रग्स आने देने और न ही भारत से किसी दूसरे देश में एक ग्राम भी ड्रग्स जाने देंगे। एनकोर्ड का गठन इसी उद्देश्य से किया गया है।

हाईब्रिड में बुलाई गई बैठक में 44 केंदीय मंत्रालयों, विभागों के प्रमुखों के साथ-साथ ड्रग्स के खिलाफ काम करने वाली एजेंसियों के सौ से अधिक अधिकारी मौजूद होंगे। जब्त किये गए ड्रग्स को नष्ट करने के लिए पूरे देश में पखवाड़ा मनाया जाता है, जिसमें विभिन्न स्थानों पर ड्रग्स को जलाने का काम किया जाता है।

जन-स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम, केंद्र ने दवा नियमों में बदलाव का तैयार किया मसौदा

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के मरीजों के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सरकार ने दवा नियमों में बदलाव का एक मसौदा (ड्राफ्ट) तैयार किया है, जिसके तहत अब विदेश से आयात होने वाली दवाओं की भारत आने के समय बची हुई उम्र (रेसिडुअल शेल्फ लाइफ) कम से कम 12 महीने यानी एक साल होनी चाहिए।

22 जून को जारी इस गजट नोटिफिकेशन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को ऐसी दवाएं न मिलें जो जल्द ही एक्सपायर होने वाली हों। इससे मरीजों को इस्तेमाल के लिए पूरा समय मिलेगा।

सप्लाई चेन की मजबूती व बर्बादी पर लगाम वर्तमान नियम के अनुसार, आयातित दवाओं की शेल्फ लाइफ 60 प्रतिशत से अधिक होनी जरूरी थी। नए प्रस्ताव से न केवल दवाओं की बर्बादी रुकेगी, बल्कि पूरी सप्लाई चेन में तालमेल बेहतर होगा। समय रहते दवाओं के वितरण और उपभोग से लागत में कमी आएगी और देश में जरूरी दवाओं की किल्लत नहीं होगी।

1 जुलाई से पासपोर्ट बनवाना होगा महंगा- नॉर्मल 2,500 और तत्काल 5,000 में बनेगा

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरकार ने पासपोर्ट नियम, 1980 में संशोधन करके पासपोर्ट शुल्क के ढांचे में बदलाव किया है। इसके तहत 36 पृष्ठों वाले सामान्य नए पासपोर्ट के लिए आवेदन शुल्क 1500 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दिया गया है। नए नियम एक जुलाई, 2026 से लागू होंगे।

विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को प्रकाशित 20 जून की अधिसूचना के अनुसार, 36 पृष्ठों वाले सामान्य नए पासपोर्ट या पासपोर्ट को दोबारा जारी करवाने के लिए तत्काल सेवा का शुल्क 5000 रुपये होगा।

शुल्क कितना बढ़ाया गया, यहां समझिए पूरा मामला - बता दें कि अभी इस श्रेणी में तत्काल सेवा के लिए शुल्क 3500 रुपये है। इसी तरह 60 पृष्ठों वाले सामान्य नए पासपोर्ट या पासपोर्ट को दोबारा जारी करवाने के लिए आवेदन शुल्क 2000 रुपये से बढ़ाकर 3500 रुपये कर दिया गया है और तत्काल सेवा के लिए नया शुल्क 6000 रुपये होगा, जबकि पहले इसी श्रेणी के लिए यह शुल्क 4000 रुपये था।

14वां पासपोर्ट सेवा दिवस मनाए जाने के अवसर पर विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सरकार पासपोर्ट सेवाओं को सुगम बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। पिछले एक दशक में पासपोर्ट नेटवर्क छह गुना बढ़ चुका है। देशभर में अब 500 से अधिक पासपोर्ट केंद्र कार्यरत हैं।

अकेले 2025 में 1.5 करोड़ पासपोर्ट तथा संबंधित सेवाएं प्रदान की गई हैं। इनमें से केवल पासपोर्टों की संख्या 1.39 करोड़ रही। उल्लेखनीय है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज है, न कि नागरिकता का प्रमाण।

देशभर में 545 पासपोर्ट केंद्र- अधिकारी ने बताया कि पुलिस सत्यापन को छोड़कर पासपोर्ट जारी करने में औसतन छह कार्य दिवस लगते हैं। पासपोर्ट सेवा केंद्रों और पोस्ट आफिस पासपोर्ट सेवा केंद्रों में आवेदकों द्वारा बिताया जाने वाला समय 45 मिनट से भी कम है।

भारत दौरे पर आएंगी जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकइची, 16वें शिखर सम्मेलन में किन-किन मुद्दों पर होगी चर्चा?

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकइची 1 से 3 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली का आधिकारिक दौरा करेंगी।

इस दौरान वे 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन की प्रधानमंत्री मोदी के साथ संयुक्त अध्यक्षता करेंगी। यह प्रधानमंत्री ताकइची का भारत का पहला आधिकारिक दौरा होगा।

मौजूदा वैश्विक हालात व ट्रंप प्रशासन की तरफ से हिंद-प्रशांत महासागर को लेकर पारंपरिक नीति में बदलाव के संकेतों के बीच भारत व जापान के बीच होने वाली इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

देखना होगा कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में पहले ही सहयोग के कई विकल्पों पर विचार कर रहे उक्त देशों की आगे की रणनीति क्या होती है।

भारत-जापान शिखर सम्मेलन- विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह शिखर सम्मेलन दोनों देशों को द्विपक्षीय सहयोग के पूर्ण स्पेक्ट्रम की समीक्षा करने और उसे मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगा।

साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा, जिनमें दोनों देशों के साझा हित शामिल हैं। यह दौरा अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री मोदी के टोक्यो दौरे (15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन) के बाद हो रहा है और भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को और आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत और जापान के बीच वर्ष 2000 में वैश्विक साझेदारी स्थापित की गई थी जिसका दर्जा वर्ष 2006 में बढ़ा कर रणनीतिक व वैश्विक साझेदारी कर दिया गया। फिर वर्ष 2014 में पीएम नरेंद्र मोदी और पीएम शिंजो आबे ने आपसी संबंधों को विशेष रणनीतिक व वैश्विक साझेदारी का दर्जा दे कर इसे और महत्वपूर्ण बना दिया। यह साझेदारी हिंद प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला और समृद्ध बनाने की साझा सोच, लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और आर्थिक सुरक्षा पर आधारित है।

हाउसिंग बोर्ड ने लगाया समस्या समाधान शिविर

शिविर में 300 हितग्राहियों की सुनी गई समस्याएं, 105 आवेदनों का किया गया त्वरित निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, वृत्त इंदौर द्वारा गुरूवार को विभिन्न कॉलोनियों के निवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंडल के अध्यक्ष श्री ओम जैन की उपस्थिति रही।

वृत्त कार्यालय, दैनिक भास्कर प्रेस कॉम्प्लेक्स के सामने आयोजित इस शिविर में लगभग 300 हितग्राहियों की समस्याएं सुनी गईं। शिविर के दौरान नामांतरण, लीज नवीनीकरण, रजिस्ट्री, फ्रीहोल्ड, अनापत्ति प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों पर सुनवाई की गई। प्राप्त 105 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया तथा 5 हितग्राहियों को नामांतरण एवं फ्रीहोल्ड प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

शिविर में प्राप्त मांग आधारित तथा नियमों एवं प्रक्रियाओं में सुधार से संबंधित मामलों के निराकरण के लिए मुख्यालय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से उन संपत्तियों के फ्रीहोल्ड संबंधी मामलों पर चर्चा हुई, जिनका नाम राजस्व अभिलेखों में मंडल के नाम दर्ज नहीं है। अध्यक्ष श्री ओम जैन ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग से समन्वय कर संबंधित कॉलोनियों की भूमि का नामांतरण मंडल के नाम कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। हितग्राहियों ने इस पहल की सराहना करते हुए अध्यक्ष श्री ओम जैन एवं मंडल प्रशासन का आभार व्यक्त किया। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार कार्यवाही

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व एवं छ्रश्वह्र सी के साहू तथा वृत्त- भोई मोहल्ला उप-निरीक्षक त्रिअंबिका शर्मा एवं टीम के द्वारा आज को नगर निगम कार्यालय के पीछे से दो पहिया वाहन क्रमांक-MP09-AU-4449 जुपिटर स्कूटर गाड़ी को रुकवा कर तलाशी लेने पर 12 बोतल रॉकफोर्ड की विदेशी मदिरा व्हिस्की (कुल 9 बल्क लीटर) बरामद की गई , जो अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही थी ,को विधिवत् जप्त कर कब्जे आबकारी लिया जाकर आरोपी प्रवीण पिता कैलाश अलोने एवं रोहित पिता तेरसिंह के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जब्त मदिरा और वाहन का कुल बाजार मूल्य 136240 रुपये है।

प्रतिबंधित पॉलिथीन पर निगम की बड़ी कार्रवाई, 100 किलो कैरी बैग जब्त, 25 हजार रुपये का जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक और प्रतिबंधित पॉलिथीन मुक्त बनाने के अभियान के तहत इंदौर नगर निगम ने शुक्रवार को राजबाड़ा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 100 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन कैरी बैग जब्त किए। इस दौरान संबंधित व्यापारी पर 25 हजार रुपये का स्पॉट फाइन भी लगाया गया।

नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार प्रतिबंधित पॉलिथीन के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर निगरानी रखे हुए है। निगम को लगातार सूचना मिल रही थी कि राजबाड़ा क्षेत्र में एक व्यापारी आसपास की दुकानों और सब्जी मंडी में प्रतिबंधित पॉलिथीन कैरी बैग की आपूर्ति कर रहा है। सूचना के आधार पर निगम की टीम संबंधित व्यापारी की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी।

शुक्रवार को जैसे ही व्यापारी प्रदीप भीमवानी ने राजदीप कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट स्थित अपने गोदाम का ताला खोलकर सामान निकालना शुरू किया, नगर निगम की टीम ने मौके पर दबिश देकर कार्रवाई की। जांच के दौरान गोदाम में प्लास्टिक के टिफिन सहित अन्य घरेलू प्लास्टिक सामग्री के साथ लगभग 100 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन कैरी बैग बिक्री के लिए रखे हुए मिले।

निगम अधिकारियों ने मौके पर ही प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त कर व्यापारी प्रदीप भीमवानी के विरुद्ध 25 हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया। निगम ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित पॉलिथीन के निर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

नगर निगम ने व्यापारियों और नागरिकों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित पॉलिथीन कैरी बैग का उपयोग, भंडारण और विक्रय पूरी तरह बंद करें तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए कपड़े के थैले और अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाएं। कार्रवाई के दौरान सीएसआई संजय घावरी, सहायक सीएसआई लाखन लोधी, राहुल वर्मा (दरोगा) तथा रिमूवल विभाग की टीम मौजूद रही।

आपातकाल लोकतंत्र पर ऐसा काला धब्बा, जिसे कभी मिटाया नहीं जा सकता : कप्तान सिंह सोलंकी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आपातकाल के 51 वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी ने पिपल्यापाला चौराहे स्थित शुभकारज गार्डन में ÷आपातकाल की विभीषिका का काला अध्याय÷ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री कप्तान सिंह सोलंकी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम. चुबा आओ, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर ऐसा काला धब्बा है, जिसे कभी मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि संविधान में राष्ट्रीय, राज्य और आर्थिक आपातकाल जैसी परिस्थितियों का स्पष्ट उल्लेख है, लेकिन वर्ष 1975 में लगाया गया आपातकाल इन तीनों श्रेणियों में नहीं आता था। उनके अनुसार तत्कालीन सत्ता ने केवल अपनी कुर्सी बचाने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया, संविधान और न्यायपालिका की अनदेखी की तथा पूरे शासन तंत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया।

उन्होंने कहा कि 24 जून को सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए था, लेकिन 25 जून की मध्यरात्रि राष्ट्रपति के हस्ताक्षर करवाकर देश में आपातकाल लागू कर दिया गया। इसके बाद विपक्षी नेताओं के साथ-साथ कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं को भी जेलों में बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए समाज को हमेशा सजग रहना होगा और इसी उद्देश्य से भाजपा संविधान हत्या दिवस मना रही है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है, जिसके पीछे मंच पर बैठे वरिष्ठ नेताओं का वर्षों का संघर्ष और तपस्या है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान अनेक कार्यकर्ताओं और नेताओं ने जेल जाकर तथा जेल के बाहर रहकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उस समय ÷ना दलील थी, ना अपील थी÷, लेकिन आज देश का लोकतंत्र इतना मजबूत हो चुका है कि ऐसी स्थिति की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को आपातकाल के काले अध्याय से परिचित कराना समय की आवश्यकता है।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि आज का दिन संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर है, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब कांग्रेस ने संविधान को दरकिनार कर लोकतंत्र का गला घोंटने का कार्य किया था। इसलिए लोकतंत्र की रक्षा के लिए इतिहास की इन घटनाओं को याद रखना आवश्यक है।

कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत कप्तान सिंह सोलंकी, सुमित मिश्रा, विधायक गोलू शुक्ला एवं पार्षद सुरेश टाकलकर ने मल्हार आश्रम परिसर में पौधारोपण भी किया।

संगोष्ठी में पूर्व राज्यपाल विष्णु सदाशिव कोकजे, विधायक मालिनी गौड़, मधु वर्मा, श्रवण सिंह चावड़ा, सत्यनारायण सत्तन, गोपीकृष्ण नेमा, सुदर्शन गुप्ता, बाबूसिंह रघुवंशी, ईश्वर हिंदुजा, राधेश्याम यादव, उमा नारायण पटेल, कंचन सिंह चौहान, गणेश गोयल, भगवान परमार, सत्येंद्र भूषण, शांतिलाल सिंघवी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महेश कुकरेजा ने किया तथा आभार हरप्रीत सिंह बक्शी ने व्यक्त किया।

पश्चिमी इंदौर बन रहा देश का उभरता लॉजिस्टिक्स हब

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियां, बेहतर कनेक्टिविटी तथा निवेशकों को त्वरित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इंदौर-पीथमपुर क्षेत्र देश के सबसे आकर्षक औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स गंतव्यों में उभर रहा है।

विकसित हो रहा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क प्रदेश को नेशनल फ्रेट कॉरिडोर एवं एक्सप्रेस-वे से जोड़ते हुए उद्योगों की लागत कम करने, निर्यात बढ़ाने तथा निवेश आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इंदौर एवं पीथमपुर क्षेत्र तेजी से मध्य भारत के प्रमुख लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन हब के रूप में विकसित हो रहे हैं। पश्चिमी इंदौर में विकसित हो रही विभिन्न लॉजिस्टिक्स परियोजनाएं न केवल औद्योगिक विकास को नई गति देंगी। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, निवेश आकर्षण व निर्यात गतिविधियों के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

गैस पाइप लाइन ब्लास्टः घायल युवती बोली- मदद के लिए कोई नहीं आया आगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शीतल नगर में अवंतिका गैस पाइप लाइन में ब्लास्ट के दौरान झुलसी 27 वर्षीय जिनी झाला का ने वीडियो जारी कर आपबीती बताई है।

जिनी ने बताया कि वह स्कूटी से जा रही थी, तभी अचानक आग की चपेट में आ गई। आग लगने के बाद लोगों से मदद मांगी कि पानी डालो, लेकिन कोई नहीं आया। इसके बाद बारिश के दौरान गड्ढे में जमा पानी को खुद के ऊपर डाला। थोड़ी देर बाद एक व्यक्ति आया और बाल्टी से पानी डाला। इसके बाद लोगों से अस्पताल ले जाने के लिए कहा, लेकिन डर के कारण कोई नहीं आया।

इसके बाद एक डिलिवरी बॉय के साथ अस्पताल पहुंची। साथ ही बताया कि मैं सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हूं, मेरा काम ही आन कैमरा आना है। पता नहीं अब पहले ही तरह स्कीन आएगी या नहीं। मुझे लेफ्ट साइड अधिक बर्न हुआ है। युवती ने आरोप लगाया कि मामले में इंदौर प्रशासन ही दोषी है, कोई भी काम कर रहे हैं तो सामान्य लोगों के बारें में सोचना चाहिए। आग लगने के कारण स्कूटी में रखे लैपटाप सहित अन्य गैजेट भी जल गए। बता दें कि हादसे में जिनी 20 से 25 प्रतिशत तक झुलसी है। अभी बाएं हाथ की सर्जरी हो चुकी है। एक सर्जरी हुई, तीन सर्जरी होगी

जिनी के मंगेतर और कंस्ट्रक्शन कारोबारी रजत प्रताप सिंह ने बताया कि घटना के समय वह देहरादून जा रहे थे। इसी दौरान जिनी का फोन आया, लेकिन कार ड्राइविंग के दौरान वह काल नहीं उठा पाए। कुछ देर बाद दूसरे नंबरों से काल आए, तब घटना का पता चला। जिनी के शरीर का एक हिस्सा और चेहरा भी बुरी तरह झुलस गया है।

युवाओं के लिए सुनहरा अवसरः आईटीआई में प्रवेश लेकर संवारा जा सकता है भविष्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। शासकीय संभागीय आईटीआई, नंदानगर, इंदौर में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून 2026 तक आवेदन कर सकते हैं।

प्राचार्या ने बताया कि 8वीं, 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी आईटीआई में प्रवेश लेकर तकनीकी दक्षता हासिल कर सकते हैं। आईटीआई का प्रशिक्षण युवाओं को न केवल रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराता है, बल्कि उन्हें उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कुशल बनाता है।

आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही अप्रेंटिसशिप के माध्यम से उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर वे अपने कौशल को और अधिक निखार सकते हैं। इसके अलावा स्वरोजगार के जरिए अपना व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी खुलता है। प्राचार्या ने यह भी बताया कि आईटीआई प्रशिक्षण अग्निवीर भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी अवसरों में भी युवाओं के लिए उपयोगी साबित होता है। ऐसे में यह प्रशिक्षण उनके करियर निर्माण की मजबूत नींव रख सकता है। युवाओं से अपील की गई है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते अपना आवेदन पूर्ण करें। अधिक जानकारी एवं पंजीयन के लिए mpiti-counseling.co.in? पर विजिट किया जा सकता है। कौशल ही सफलता की पहचान है – इसी संदेश के साथ युवाओं को अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रेरित किया गया है।

बंबई बाजार क्षेत्र में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री धर्मेंद्र जोशी के नेतृत्व में अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत बंबई बाजार वृत्त प्रभारी एवं आबकारी उप निरीक्षक मीरा सिंह ने अपनी टीम के साथ गत 24 जून 2026 को रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर तेज बारिश के बीच भोलेनाथ मंदिर के पास, लोहा मंडी मार्केट में पुल पर घेराबंदी कर कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान एक जुपिटर स्कूटर (क्रमांक MP09 AK 4043) की तलाशी लेने पर आरोपी के पैरों के पास सफेद रंग की बोरी में 72 केन,, पिट्ठू बैग और स्कूटर की डिक्की में 24-24 केन बियर , कुल 120 केन (500 एमएल प्रत्येक) और कुल लगभग 60 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। जब्त मदिरा और वाहन की कुल अनुमानित कीमत एक लाख 41 हजार 800 रुपए रही। आरोपी शराब के परिवहन संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

आबकारी दल ने मौके से अवैध मदिरा एवं परिवहन में प्रयुक्त स्कूटर को जब्त कर आरोपी राहुल अलोने पिता भईयालाल अलोने,31 वर्ष निवासी 24, तिरुपति नगर, एयरपोर्ट रोड, थाना एरोड्रम, इंदौर के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2) एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल कराया गया है। आरोपी ने पूछताछ में देबू ठाकुर के लिए काम करना बताया जिसकी तलाश की जा रही है।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा जप्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व एवं ADEO जहांगीर खान तथा वृत्त- बालदा कॉलोनी उप-निरीक्षक प्रियंका रानी चौरसिया एवं टीम के गत दिवस दशहरा मैदान रोड से दो पहिया वाहन क्रमांक-MP09-UD-6294 एक्टिवा स्कूटर गाड़ी को रुकवा कर तलाशी लेने पर 12 बोतल बैक वेंचर की विदेशी मदिरा व्हिस्की (कुल 9 बल्क लीटर) बरामद किया गया, जो अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही थी। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा को जप्त किया गया। आरोपी राज सिंह पिता सोहन राजपूत के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जब्त मदिरा और वाहन का कुल बाजार मूल्य 89 हजार 200 रुपये है।

यात्रियों की सुविधा के लिए मुंबई सेंट्रल, हज़रत निजामुद्दीन और पटना स्पेशल ट्रेनों के फेरे फिर बढ़ाए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए विशेष किराये पर संचालित तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे पुनः विस्तारित किए गए हैं।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार इंदौर से मुंबई सेंट्रल, हज़रत निज़ामुद्दीन और पटना ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है। इससे बड़ी संख्या में यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी। मुंबई सेंट्रल-इंदौर स्पेशल को 28 जुलाई तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार इंदौर-मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 29 जुलाई तक विस्तारित किया गया है। इंदौर-हज़रत निज़ामुद्दीन स्पेशल को 31 जुलाई तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार हज़रत निज़ामुद्दीन-इंदौर स्पेशल को एक अगस्त तक विस्तारित किया गया है। डा. अंबेडकर नगर-पटना स्पेशल को 30 जुलाई तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार पटना-डा. अंबेडकर नगर स्पेशल को 31 जुलाई तक विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा व अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से रतलाम मंडल से गुजरने वाली अहमदाबाद-पटना स्पेशल ट्रेन का एक-एक फेरा विस्तारित किया गया है।

इंदौर पुलिस का SAFE CLICK-2.0 अभियानः नुक्कड़ नाटक से लेकर ताजिया जुलूस तक साइबर सुरक्षा का संदेश

इंदौर पुलिस का SAFE CLICK-2.0 अभियान- नुक्कड़ नाटक से लेकर ताजिया जुलूस तक साइबर सुरक्षा का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार प्रदेशव्यापी SAFE CLICK-2.0 साइबर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शहरभर में विभिन्न माध्यमों से व्यापक साइबर जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।

अभियान के तहत शुक्रवार को शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर साइबर सुरक्षा से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध) श्रीमती मीना चौहान के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच की टीमों ने नाट्य कर्मियों के सहयोग से सरवटे बस स्टैंड, ट्रेजर आईलैंड मॉल, 56 दुकान, पलासिया चौराहा सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को साइबर ठगों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों की जानकारी दी गई तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस दौरान नागरिकों को राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराना बेहद जरूरी है। अभियान केवल सार्वजनिक स्थलों तक ही सीमित नहीं रहा। गांधीनगर, राजेंद्र नगर और एरोड्रम थाना क्षेत्रों में मोहर्रम के ताजिया जुलूसों के दौरान भी पुलिस टीमों ने लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। पम्पलेट वितरित कर ऑनलाइन ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लिंक, क्यूआर कोड फ्रॉड, ओटीपी धोखाधड़ी तथा सोशल मीडिया से जुड़े अपराधों से बचने के प्रभावी उपाय बताए गए।

इसके अलावा सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी साइबर सुरक्षा संबंधी संदेश, पोस्टर और जागरूकता सामग्री प्रसारित कर हजारों नागरिकों तक सुरक्षित डिजिटल व्यवहार का संदेश पहुंचाया गया।

36 घंटे में सनसनीखेज लूटकांड का एसपी व्यास ने किया खुलासा, ये पांच आरोपी गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में उदय विहार स्थित डेल्हीवरी कोरियर कंपनी के कार्यालय में हुई चाकूबाजी और लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने मात्र 36 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू, एक मोटरसाइकिल और लूटी गई राशि में से 90 हजार 800 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीमों ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

ऐसे हुई थी वारदात- पुलिस के अनुसार, 23 जून 2026 की रात करीब 9ः20 बजे उदय विहार स्थित डेल्हीवरी कोरियर कंपनी के कार्यालय में कर्मचारी सूरज नाथ अकेले काम कर रहा था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार चार युवक कार्यालय में घुसे। इनमें से दो आरोपियों ने सूरज नाथ को पकड़कर चाकू की नोक पर बंधक बना लिया, जबकि अन्य दो आरोपियों ने कैश काउंटर से करीब डेढ़ लाख रुपये लूट लिए।

विरोध करने पर आरोपियों ने सूरज नाथ पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके दाहिने हाथ और दोनों कंधों पर गंभीर चोटें आईं। इसके बाद आरोपी नकदी लेकर फरार हो गए। मामले में थाना नीमच कैंट में अपराध क्रमांक 335/2026 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एसपी ने संभाली जांच की कमान- घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास स्वयं घटनास्थल पहुंचे और जांच की मॉनिटरिंग की। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा नीमच, मंदसौर, प्रतापगढ़ और चित्तौड़गढ़ क्षेत्र के टोल नाकों सहित विभिन्न स्थानों के कैमरों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान पुलिस ने डेल्हीवरी कोरियर कंपनी के वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों की जानकारी जुटाई। इसी दौरान पूर्व कर्मचारी इस्लाम मोहम्मद पर संदेह हुआ, जिसे कुछ समय पहले नौकरी से निकाला गया था और वह पुनः काम पर लौटा था।

पूर्व कर्मचारी निकला मास्टरमाइंड- पुलिस जांच में सामने आया कि इस्लाम मोहम्मद ने अपने साथियों आसिफ मंसूरी, सोहेल मंसूरी, जाहिद खान और असरफ कुरैशी के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 25 जून को सोहेल मंसूरी, जाहिद खान, असरफ कुरैशी और इस्लाम मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने लूट और चाकूबाजी की वारदात स्वीकार कर ली। फरार आरोपी आसिफ मंसूरी के अजमेर में होने की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम को तत्काल रवाना किया गया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसे भी हिरासत में ले लिया गया।

जप्त सामग्री- वारदात में प्रयुक्त एक चाकू, एक मोटरसाइकिल, लूटी गई राशि में से 90,800 रुपये नकद

गिरफ्तार आरोपी- सोहेल मंसूरी (21), निवासी सीतामऊ फाटक, मंदसौर

असरफ कुरैशी (26), निवासी कचनारा, जिला मंदसौर

जाहिद खान (22), निवासी कचनारा, जिला मंदसौर

आसिफ मंसूरी (27), निवासी धमनार, हाल मुकाम दलौदा, जिला मंदसौर

इस्लाम मोहम्मद (35), निवासी अंबेडकर कॉलोनी, नीमच

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नीमच कैंट निरीक्षक सौरभ शर्मा, उपनिरीक्षक दिवान सिंह, उपनिरीक्षक मंगल सिंह राठौर, उपनिरीक्षक असलम पठान, साइबर सेल प्रभारी प्रदीप शिंदे सहित थाना एवं साइबर सेल के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा मंदसौर पुलिस के जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने विशेष टीमों की त्वरित कार्रवाई और पेशेवर जांच की सराहना करते हुए कहा कि जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

अग्रवाल समाज द्वारा गाजे बाजे के साथ निकाली गई स्वर्ण कलश शोभायात्रा, प्रतिष्ठा महोत्सव आज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अग्रवाल समाज नरसिंह मंदिर ट्रस्ट द्वारा नरसिंहपुरा में नव जीर्णोद्धारित श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर एवं रानी सती दादी धाम की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत शुक्रवार को जनकुपूरा गणपति चौक स्थित श्री नरसिंह मंदिर से गाजे बाजे ढोल धमाकों के साथ स्वर्ण कलश शोभायात्रा निकाली गई द्य शोभायात्रा में मातृशक्ति एवं सभी भाईयों ने एक जैसी वेषभूषा पहन रखी थी द्य

शोभायात्रा आरम्भ से पूर्व भगवान श्री नरसिंह जी एवं महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना मंदिर में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष आशीष गुप्ता, मुरलीधरन एरन, सचिव ओम प्रकाश मित्तल, सह सचिव सुनील बंसल, कोषाध्यक्ष विश्वमोहन अग्रवाल, ट्रस्टी गण सर्व रामेश्वर गर्ग, विकास अग्रवाल, गोपाल कृष्ण मंगल, संजय मित्तल (बबलू) , संतोष गोयल (चौधरी,) विनय अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, एवं बड़ी संख्या में उपस्थित समाज जनों ने की। मंदिर निर्माण की प्राण प्रतिष्ठा एवं स्वर्ण कलश आरोहण एवं मूर्ति स्थापना की प्रकिया 27 जून शनिवार को सुबह 9ः30 बजे से विधि विधान से प्रारंभ होगी और दोपहर 12ः5 बजे अभिजीत मुहूर्त में स्वर्ण कलश तीनों मंदिर के शिखर पर चढ़ाया जाएगा। नरसिंह भगवान के दोनों और जो मंदिर बनाए गए हैं एक मंदिर में कुलदेवी महालक्ष्मी जी की प्रतिमा स्थापित होगी तो एक मंदिर में दादी रानी सती का रजत विग्रह विस्थापित होगा। तीनों मंदिरों के शिखर पर चढ़ने वाले स्वर्ण कलश की शोभायात्रा आज शुक्रवार को गिरते पानी में दोपहर 3 बजे गणपति चौक स्थित नरसिंह मंदिर से आरंभ हुई जो गाजे बाजे के साथ अशोक टाकीज, शुक्ला चौक,नयापुरा रोड ,माहेश्वरी धर्मशाला, नरसिंहपुरा रोड होते हुए नरसिंह मंदिर नरसिंहपुरा पहुंची। शोभायात्रा का स्वागत समाज की अनेक सामाजिक धार्मिक संस्थाओं के साथ ही अग्रवाल समाज फतेहपुरिया ट्रस्ट, देसी पंचायत ट्रस्ट , वैश्य समाज,.धार्मिक उत्सव समिति द्वारा भी भव्य स्वागत किया गया। शोभा यात्रा समापन अवसर पर डॉ प्रभाकर त्रिपाठी ने कहा कि अग्रवाल समाज पर सदैव कुलदेवी माँ महालक्ष्मी जी की कृपा बनी हुई है उसी कृपा के कारण नरसिंह मन्दिर का पुनः जीर्णोद्धार हो पाया है और दादी रानी सती एवं लक्ष्मी जी का मंदिर बन पाया है। आपने कहा कि लक्ष्मी चंचल है इसका सद्कार्यो में सदैव उपयोग करना चाहिए। नरसिंह मन्दिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष आशीष गुप्ता ने कहा कि 13 महिने की अल्प अवधि में अग्रवाल समाज के सहयोग से डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से श्री लक्ष्मी - नरसिंह, रानी सती धाम का मन्दिर बन पाया। कल मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान कुलदेवी लक्ष्मी जी का मन्दिर रतलाम की तर्ज पर सजाया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन हेमंत अग्रवाल ने किया। आभार ट्रस्ट के सचिव ओमप्रकाश मित्तल ने माना।

आम जनता एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से कांग्रेस मध्यप्रदेश में मजबूत होगी- पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मौजूदा भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल करने के लिए संघर्ष जरूरी है। आम जनता और कार्यकर्ताओं के सहयोग से कांग्रेस मध्यप्रदेश में मजबूत हो सकेगी। ये उद्गार पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मंत्री अजयसिंह राहुल भैया ने व्यक्त किए। वे संजीत मार्ग पर वरिष्ट कांग्रेस नेता रविन्द्र सिंह रांका के कार्यालय पर कार्यकर्ताओ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश के हर मोर्चे पर असफल रही है। श्री सिंह ने कहा कि आमजनों में सरकार को लेकर भारी आक्रोश है। श्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस के घर बैठे कार्यकर्ताओ मुख्य धारा में लाने के लिए अभिनव योजना को मूर्त रूप देने का सिलसिला प्रदेश में जारी है। इस अवसर पर वरिष्ट कांग्रेस नेता रविन्द्र सिंह रांका ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह को शाल श्रीफल भेट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष महेन्द्रसिंह चौहान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विक्रम विद्यार्थी, जिला पंचायत के पूर्व सदस्य एवं सीतामऊ जनपद पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष ओमसिंह भाटी, नपा में नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, पार्षद संगीता शैलेंद्र गोस्वामी, पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष रूपल संचेती, सोमिल नाहटा, अंशाशु संचेती, मनोज भाचावत, तरूण खिंची, प्रीतिपालसिंह राणा, अशोक देवड़ा, मनोहर नाहटा, गजेन्द्र धाकड़, सुरेश भाटी, कमलेश सोनी लाला, पूर्व पार्षद शकील उद्दीन मियाजी सरकार, पूर्व पार्षद आशिया खान, मोहम्मद आसिफ हाफीजजी, कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष दिलीप देवड़ा, जिला कांग्रेस सचिव जगदीपसिंह बंटी, जिला कांग्रेस सचिव लक्ष्मण मेघनानी, वरिष्ठ अभिभाषक राजेंद्र तरवेचा, वरिष्ठ अभिभाषक भुवानीसिंह भाटी, चंद्रेश सोलंकी, पंकज जोशी, वरिष्ठ नेता नरेंद्र मारु, हरीश शर्मा, भूपेन्द्र शर्मा बंटी, सुभाष जैन, परवेज अख्तर, संजय ढेलावत, कैलाश मनवानी, मानसिंह मारु, मुस्तफा कपाड़िया, मुन्ना भाई दलाल, फिरोज भाई, अब्दुल कदीर, शिवनारायण, गोपाल पोरवाल, दिव्यांश सोनी, खलील भाई, लाला बापू कयामपुर, मनोज सोनी लाला, विक्रम मुदंडा, ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष, सम्यक जैन, वाहिद जैदी, अशोक देवड़ा, जिला युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष राधवसिंह शक्तावत, महासचिव दुर्गाशंकर धाकड़, मंगल ग्वाला, जयेश पालीवाल, शुभम जैन, प्रणय धाकड सहित बडी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे। संचालन रूपल अंशाशु संचेती ने किया। आभार अक्षय रांका ने माना।

पल्स पोलियो अभियान में 0-5 वर्ष के बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित हो - एसडीएम सुश्री संघवी

विकासखंड स्तरीय टास्क फोर्स बैठक में दिए गए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जून से 30 जून 2026 तक आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान के संबंध में शुक्रवार को जावद में विकासखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। एसडीएम जावद सुश्री प्रीति संघवी ने अभियान की सफलता के लिए अधिकारियों क आवश्यक निर्देश दिए हैं ।

एसडीएम ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग का संयुक्त टीकाकरण दल प्रथम दिवस 90 प्रतिशत लक्ष्य का टीकाकरण सुनिश्चित करे।

0-5 वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो टीकाकरण से वंचित न रहे।शिक्षा विभाग ग्राम शिक्षा रजिस्टर अनुसार 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की सूची बनाकर 1 दिवस पूर्व अभिभावकों को पोलियो बूथ पर आने हेतु प्रेरित करे।समस्त नगरीय निकाय कचरा संग्रहण वाहन पर पोलियो जिंगल से प्रचार करें। प्रत्येक पंचायत में सचिव, सरपंच व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जनजागरूकता कर पात्र बच्चों को खुराक पिलाने हेतु प्रेरित करें। कार्यपालन यंत्री विद्युत 27 जून से 30 जून तक नयागांव, जावद, सरवानिया महाराज, डीकेन, रतनगढ़, झांतला, सिंगोली के सभी कोल्ड चैन प्वाइंट पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। बीएमओ द्वारा प्रस्तुत समग्र विहीन गर्भवती महिलाओं की सूची पर सीईओ जनपद व सीएमओ समग्र बनवाने की कार्यवाही करें।

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहन मुजाल्दे ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में तहसीलदार, सीईओ जनपद जावद, सीएमओ न जावद, सीडीपीओ जावद-रतनगढ़, विद्युत विभाग व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अफजलपुर पुलिस ने अपहृत युवती को दस्तियाब किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफजलपुर थाना पुलिस ने अपहृत हुई नाबालिग युवती को दस्तियाब किया है। पुलिस ने बताया कि घटना अनुसार 8 जून को फरियादी ने अपनी नाबालिग बालिका के गुम होने की सूचना दी थी।

इस पर प्रकरण दर्ज कर बालिका की तलाश में टीम लगाई गई। टीम ने संभावित स्थानों पर जाकर संदेही से पूछताछ की। इस तरह नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तियाब करने में सफलता मिल पाई। मामले में अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

नशामुक्ति की दिशा में नशामुक्त भारत अभियान सराहनीय पहल है- श्री परिहार

नीमच में नशामुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के आदेशानुसार डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सुश्री श्रुति भयडिया के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा 17 जून से 26 जून 2026 नशामुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान सप्ताह का समापन कार्यक्रम 26 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में बालक, बालिका छात्रावास शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि.क्रं.1 नीमच में मनाया गया। विधायक नीमच श्री दिलीप सिंह परिहार एवं अपर कलेक्टर बी.एस. कलेश, ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभांरभ किया।

अपर कलेक्टर श्री कलेश ने अपने उद्बोधन में कहा, कि युवा एवं बच्चें देश का भविष्य है, इन्हें नशे से बचानें के लिए जागरूकता बहुत आवश्यक है, तभी नशा मुक्त भारत अभियान सफल हो सकेगा। इसके लिए शासन द्वारा नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे है।

मुख्य अतिथि विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार ने कहा, कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत युवा पीढ़ी को नशे से बचाने, अवैध मादक प्रदार्थो के परिवहन एवं दुरूपयोग को रोकने एवं नशीली दवाओं के दुरूपयोग को रोकने के विशेष प्रयास किए जा रहे है। नशाग्रस्त होने पर कई युवाओं की प्रतिभा नष्ट हो जाती है एवं उनका घर परिवार बर्बादी की ओर बढ जाता है। शासन द्वारा इस तरह के आयोजन नशा मुक्त भारत अभियान में एक सरहानीय पहल है।

17 जून से 26 जून 2026 नशामुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान सप्ताह के तहत सामाजिक न्याय विभाग रेडक्रास नशामुक्ति केन्द्र एवं अल्कोहलिक एनानिमस ग्रुप ने जिले में नशामुक्ति प्रदर्शिनी, चित्रकला प्रतियोगिता, जनजागरूकता कार्यक्रम, मास्टर वालिटियर्स प्रशिक्षण आयोजित कर सामूहिक नशामुक्ति शपथ दिलाई।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य नशामुक्ति विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई,जिसमें बालक एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से विधायक द्वारा वितरित कर ट्राफ्री प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन श्री सुनील तिवारी, एवं आभार श्री विनीत दुबे ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम में श्री मोहनसिह राणावत एवं अन्य जनप्रतिनिधि, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री अनिल व्यास, वार्डन सुश्री दीपा वैष्णव, जिला समन्वयक श्री विनीत दुबे, श्री अभय जैन, श्री भुरालाल अहीर,डीडीआरसी, श्री डीसी पाटीदार, नशामुक्ति केन्द्र के प्रोजेक्ट डाईरेक्टर श्री सुनील तिवारी, श्री जीवन तिवारी, श्री दिनेश सैनी, श्री देवीलाल मौर्य, गुणवंत गोयल मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

अवैध खनन पर बड़ा शिकंजा, जेसीबी समेत दो डंपर जब्त; नयागांव, जावद और सिंगोली में ताबड़तोड़ कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध खनन और परिवहन पर शिकंजा कसते हुए खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभागीय टीम ने नयागांव, जावद और सिंगोली क्षेत्र में संयुक्त अभियान चलाकर अवैध रूप से गिट्टी और मिट्टी का उत्खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर एक जेसीबी और दो डंपर जब्त किए हैं। खनिज अधिकारी गजेन्द्र सिंह डावर के नेतृत्व में खनि निरीक्षक शिवानी साहू, प्रभारी खनि निरीक्षक सुनील जाधव एवं विभागीय टीम ने गुरुवार को यह कार्रवाई की। अभियान के दौरान मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम-2022 के तहत वाहनों को जब्त कर कानूनी कार्रवाई की गई। विभाग के अनुसार, जब्त किए गए वाहनों में डंपर क्रमांक RJ06GE7870 (गिट्टी परिवहन) सिंगोली क्षेत्र से, ट्राला/डंपर क्रमांक RJ09GD0379 (मिट्टी परिवहन) जावद क्षेत्र से तथा जेसीबी क्रमांक RJ32EA0876 नयागांव क्षेत्र से जब्त की गई। कार्रवाई के बाद सभी वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से सिंगोली, जावद एवं नयागांव थाना पुलिस की अभिरक्षा में आगामी आदेश तक खड़ा कराया गया है। खनिज अधिकारी गजेन्द्र सिंह डावर ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध विभाग का अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नीमच में 670 करोड निवेश से स्थापित हो रही 40 से अधिक नवीन औद्योगिक इकाईयों का भूमिपूजन एवं ग्रीनको प्रोजेक्ट की साईड विजीट करेंगे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का 29 जून सोमवार को नीमच एवं खिमला जिले में कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव नीमच में कार्यक्रम में सभा को संबोधित करेंगे और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ पत्र वितरित करेगें। साथ ही विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेगें। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव नीमच में लगभग 670 करोड के निवेश से स्थापित हो रही 40 से अधिक नवीन औद्योगिक इकाईयों का भूमिपूजन करेंगे। इन औद्योगिक इकाईयों में 2 हजार से अधिक लोगो को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।तदपश्चात मुख्यमंत्री डॉ.यादव रामपुरा तहसील के ग्राम खिमला पहुँचकर, ग्रीनको प्रोजेक्ट की साईड विजीट करेंगे। मुख्यमंत्री जी जिले में वारी एनर्जी लिमिटेड द्वारा स्थापित 170 मेगावाट क्षमता के सोलर प्रोजेक्ट का लोकार्पण भी करेंगे। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में जिला अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौपे गये। बैठक में कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने कार्यक्रम के लिए स्थल, सभा स्थल चयन, हितग्राहियों को कार्यक्रम स्थल पर लाने, उन्हे सु-व्यवस्थित ढंग से बैठने की व्यवस्था, परिवहन, मंच व्यवस्थाएं, कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, साफ-सफाई व्यवस्था एवं वाहनों की पार्किग व्यवस्था सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाओं संबंधी दायित्व अधिकारियों को सौपे और, दायित्वों का समय-सीमा में तत्परतापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश भी दिए।

युवा नशे से दूर रहें, तभी बनेगा सशक्त भारत-एजीपी मनीष दादू पंथी

अंतरराष्ट्रीय ड्रग निषेध दिवस पर नारकोटिक्स अधिकारियों ने दिया जागरूकता संदेश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर विजन एकेडमी में विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देने के उद्देश्य से एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनीष दादू पंथी, विशेष लोक अभियोजक, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो एवं नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, भारत सरकार ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में सकारात्मक सोच, अनुशासन, खेल, शिक्षा एवं अच्छे मित्रों का चयन करने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि युवा स्वयं नशे से दूर रहने का संकल्प लें और दूसरों को भी जागरूक करें, तो भारत को नशामुक्त बनाने का सपना साकार हो सकता है। उन्होंने कहा कि जीवन की वास्तविक सफलता नशे में नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, श्रेष्ठ चरित्र और उच्च संस्कारों में निहित है।

विशिष्ट अतिथि देवेंद्र पाल सिंह सिसोदिया, निरीक्षक, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशे की लत व्यक्ति को अपराध, हिंसा, पारिवारिक विघटन और भविष्य के अंधकार की ओर ले जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में हो तो उसे समय रहते समझाने और उचित सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करें। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार एवं विभिन्न एजेंसियाँ नशे के विरुद्ध लगातार अभियान चला रही हैं और समाज के प्रत्येक नागरिक का सहयोग इस लड़ाई में अत्यंत आवश्यक है। अधिवक्ता भारती शर्मा ने कहा कि नशे का कारोबार समाज के लिए गंभीर खतरा है तथा इससे जुड़े अपराधों में कठोर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक रहने और अपने परिवार व समाज को भी जागरूक करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान ब्रजेश जाट द्वारा सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों को नशा न करने, नशे का विरोध करने तथा अपने परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। उपस्थित सभी लोगों ने नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में देवेंद्र शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश दिए गए। अंत में संस्था के संस्थापक सुनील कंडारा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी समाज हित एवं राष्ट्रहित से जुड़े ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित, स्वस्थ समाज और नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ हुआ।

विद्युत मोटर व केबल चोर गिरोह को पकड़ा, दो गिरफ्तार, एक फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफजलपुर थाना पुलिस ने खेतों पर रात्रि में विद्युत मोटर एवं केबल चोरी करने वाले शातिर गिरोह को खोजकर दो आरोपी पकड़े हैं। इनके कब्जे से मोटरें बरामद की गई है। मामले में एक फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी हरीश मालवीय ने बताया कि 22-23 जूल की दरमियानी रात्रि में फरियादी रूघनाथसिंह पिता माधुसिंह निवासी अफजलपुर ने शिकायत दर्ज कराई। बताया कि उसके खेत पर कुंओं से विद्युत मोटर व केबल चोरी हुई है। इस पर प्रकरण दर्ज कर गठित टीम द्वारा छानबीन शुरू की गई। इस दौरान मुखबीर सूचना पर घेराबंदी का दो संदेहियों को हिरासत में लिया। जिन्होंने अपना नाम अभिषेक पिता विक्रम सिंह 22 वर्ष निवासी इंदिरा कॉलोनी दलौदा एवं दूसरे ने जहीर पिता वहीद 22 वर्ष निवासी इंदिरा कॉलोनी दलौदा बताया। आरोपी जहीर से चोरी गई एक 3 हार्स पॉवर की विद्युत मोटर व 70 फीट केबल बरामद की गई। आरोपी अभिषेक से घटना में प्रयुक्त बाईक बरामद की गई। प्रकरण में लप्त अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले में फरार आरोपी सुमित पिता विक्रमसिंह निवासी इंदिरा कॉलोनी दलौदा है, जिसकी तलाश की जा रही है।

सम्पादकीय

सरकारी बैंकों में क्यों टिक नहीं पा रहे हैं युवा अधिकारी, अच्छे वेतन के बाद भी नौकरी छोड़ने की बढ़ी रफ्तार

सुरेश (बदला हुआ नाम) ने कॉलेज से निकलते ही सार्वजनिक क्षेत्र के एक बड़े बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने एक कड़ी प्रतियोगी परीक्षा और कई साक्षात्कारों को सफलतापूर्वक पास किया था। तीस वर्ष की आयु से पहले ही वह एक छोटी तनख्वाह के साथ सुचारु रूप से संचालित एक विभाग का प्रबंधन कर रहे थे। उनके सहकर्मियों को लगता था कि सुरेश अंततः किसी बड़े पद पर पदोन्नत होंगे।

इसके बजाय सुरेश ने अपने गृह राज्य के एक सरकारी स्कूल में कम वेतन पर अध्यापन का काम चुन लिया। उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके भविष्य के अवसरों के बारे में बताते हुए उन्हें समझाया। लेकिन उनकी सलाह का सुरेश पर कोई असर नहीं हुआ। एक गहरी निराशा पहले ही घर कर चुकी थी। सुरेश अकेले नहीं हैं। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में कम से कम 7,50,000 लोग कार्यरत हैं, इनमें से कई प्रतिभाशाली युवा अधिकारी नौकरी छोड़ रहे हैं। वे पीएसबी में जीवन की निराशाओं से बचने के लिए राज्य सरकार की नौकरियों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का विकल्प चुन रहे हैं।

हालांकि, बड़े निजी बैंकों में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर लगभग 18 से लेकर 33 फीसदी है। इसके विपरीत, पीएसबी में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर कम है। भारतीय स्टेट बैंक में लगातार कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की वार्षिक दर 2 फीसदी से कम रहती है, जबकि अन्य बैंकों में यह दर 3 से 8 फीसदी के बीच रहती है।

1980 के दशक से लेकर 1990 के दशक के आरंभ तक, बैंकिंग क्षेत्र में करियर का आकर्षण सिविल सेवा के लगभग बराबर था। इसमें एक प्रवेश स्तर के अधिकारी का वेतन सीधे भर्ती हुए प्रथम श्रेणी के सरकारी अधिकारी के वेतन के बराबर था। अब पीएसबी में शामिल होने वाले परिवीक्षाधीन अधिकारी को 12वें द्विपक्षीय वेतन समझौते के तहत लगभग 36,000 रुपये प्रति माह का मूल वेतन मिलता है। मेट्रो शहर में तैनात बैंकर के लिए, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और विशेष भत्तों सहित हाथ में आने वाला कुल वेतन लगभग 55,000 से 60,000 रुपये हो सकता है।

दूसरी तरफ, नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम में शामिल होने वाला एक नया कर्मचारी निजी बैंकों की तुलना में काफी अधिक वेतन पाता है, जिसमें नियमित वेतन वृद्धि और अन्य सुविधाएं शामिल हैं, जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में नहीं मिलतीं। मध्य प्रबंधन स्तर पर यह अंतर और भी बढ़ जाता है। वेतन में काम की प्रकृति और दबाव के अनुरूप वृद्धि नहीं हुई है।

पीएसबी में कर्मचारियों की संरचना एक खड़ी पिरामिडनुमा संरचना बनी हुई है, जिसमें प्रथम और द्वितीय स्तर (स्केल 1 और स्केल 2) के अधिकारियों की संख्या बहुत अ?धिक है और तृतीय स्तर तथा उससे ऊपर के पदों की रिक्तियां लगातार घटती जा रही हैं। जो कभी एक व्यवस्थित, योग्यता-आधारित पदोन्नति का मार्ग था, वह अब एक अड़चन बन गया है, जहां बहुत अधिक योग्य उम्मीदवार बहुत कम अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

हाल के वर्षों में असंतोष के प्रमुख कारणों में से एक वरिष्ठ पदों पर बाहर से भर्ती का बढ़ता चलन रहा है। कई पीएसबी आंतरिक पदोन्नति प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए निजी कंपनियों और परामर्श फर्मों से अधिकारियों को सीधे तृतीय और चतुर्थ स्तर पर भर्ती कर रहे हैं।

सुरेश जैसे अधिकारी के लिए, जिन्होंने बैंकिंग संचालन में महारत हासिल करने, नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन करने और पीएसबी की जटिल आंतरिक संस्कृति को समझने में वर्षों बिताए हैं, समान वर्षों के अनुभव वाले लेकिन बैंकिंग पृष्ठभूमि से रहित किसी बाहरी व्यक्ति को दो पायदान ऊपर कार्यभार संभालते देखना निराशाजनक है। चूंकि इन बाहरी कर्मचारियों को पीएसबी की जमीनी हकीकतों को समझने में समय लगता है, इसलिए वरिष्ठ अधिकारियों को समायोजन अवधि के दौरान अधिक समय तक काम करना पड़ता है।

बैंकिंग के मुख्य कार्यों को बाहरी एजेंसियों को आउटसोर्सिंग करना समस्या को और भी गंभीर बना रहा है। यह ऐसे कार्य हैं जिनके लिए कई बैंकों ने अपने अधिकारियों को प्रशिक्षित किया होता है। कुछ बैंक इसके लिए बड़ी आईटी कंसल्टेंसी फर्मों को भारी रकम का भुगतान कर रहे हैं। जोखिम प्रबंधन ढांचे बहुराष्ट्रीय प्रबंधन कंसल्टेंसी फर्मों द्वारा तैयार किए जा रहे हैं और मानव संसाधन प्रक्रियाओं को बाहरी एजेंसियों द्वारा पुनर्परिभाषित किया जा रहा है। हर साल, हजारों आईटी स्नातक विशेषज्ञ अधिकारी के पद के माध्यम से पीएसबी में शामिल होते हैं, लेकिन बैंक उन्हीं कार्यों को करने के लिए बाहरी लोगों को भुगतान करता है जिनके लिए उन्हें नियुक्त किया गया था।

इनके अलावा और भी कारण हैं। 20 से 35 वर्ष की आयु के कई युवा अधिकारी अपने माता-पिता की बढ़ती उम्र, छोटे परिवार या वैवाहिक जीवन की जिम्मेदारियों को निभा रहे होते हैं। अपने गृह राज्य के पास पोस्टिंग न मिल पाना उनके लिए बहुत बड़ी समस्या होती है। पीएसबी में तबादलों की नीतियां वरिष्ठता और परिचालन आवश्यकताओं पर आधारित होती हैं। इसी वजह से कनिष्ठ अधिकारियों को अक्सर कई वर्षों तक अपने संपर्कों से दूर स्थानों पर तैनात किया जाता है। यह उनके व्यक्तिगत और पारिवारिक तनाव का एक निरंतर स्रोत है और युवा अधिकारियों की विदाई के सबसे आम कारणों में से एक है।

आध्यात्म का वैज्ञानिक स्वरूप है सहजयोग ध्यान

आज का मनुष्य विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति कर चुका है, किंतु मानसिक तनाव, असंतोष और आंतरिक अशांति जैसी समस्याएँ निरंतर बढ़ रही हैं। ऐसे समय में सहजयोग ध्यान एक ऐसी वैज्ञानिक आध्यात्मिक पद्धति के रूप में सामने आता है, जो व्यक्ति को स्वयं के भीतर स्थित दिव्य चेतना से जोड़कर जीवन में संतुलन, शांति और आनंद का अनुभव कराता है। सहजयोग की प्रणेता परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी के अनुसार, मनुष्य सृष्टि की सर्वोत्तम रचना है, क्योंकि केवल उसी के भीतर परम चेतना के जागरण की क्षमता विद्यमान है। यही जागरण अध्यात्म का वास्तविक उद्देश्य है। अध्यात्म का लक्ष्य किसी मत या पंथ का प्रचार नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर छिपी दिव्य शक्तियों और सद्गुणों का विकास करना है, ताकि वह ईश्वर की अनुभूति प्राप्त कर अपने जीवन में प्रेम, करुणा और पवित्रता का संचार कर सके।

विज्ञान जहाँ प्रकृति और पदार्थ के रहस्यों को समझकर मानव जीवन को सुविधाजनक बनाता है, वहीं अध्यात्म मनुष्य के आंतरिक जीवन को समृद्ध और संतुलित करता है। सापेक्षता सिद्धांत के जनक अल्बर्ट आइंसटीन ने भी कहा था कि विज्ञान और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। उनके अनुसार, इस सृष्टि के अद्भुत रहस्यों के पीछे एक दिव्य चेतना कार्यरत है।

चिकित्सा विज्ञान हमें शरीर की संरचना और उसके अंगों की जानकारी देता है, वहीं आत्मसाक्षात्कारी योगी अनुभव करता है कि इस स्थूल शरीर के भीतर एक सूक्ष्म तंत्र भी विद्यमान है। यह सूक्ष्म शरीर नाड़ियों और चक्रों से निर्मित है, जिनके माध्यम से परम चेतना का प्रवाह होता है। सहजयोग ध्यान इसी सूक्ष्म तंत्र को जागृत कर व्यक्ति को आत्मसाक्षात्कार का प्रत्यक्ष अनुभव कराता है। इस अनुभव के पश्चात ध्यान सहज हो जाता है और व्यक्ति मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन तथा आध्यात्मिक आनंद का अनुभव करने लगता है।

विश्व के 180 से अधिक देशों में लाखों लोग सहजयोग ध्यान का अभ्यास कर रहे हैं और इसके माध्यम से अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव कर रहे हैं। यह पद्धति पूर्णतः वैज्ञानिक, व्यावहारिक एवं निःशुल्क है। इसमें किसी प्रकार का शुल्क, सदस्यता अथवा अनिवार्य अनुष्ठान नहीं है।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है।

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षड्यंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना।

पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं। भौतिकता, उपभोक्तावाद और अंधी प्रतिस्पर्धा की आंधी ने संयम, सादगी, त्याग और पारिवारिक मर्यादाओं जैसे जीवन-मूल्यों को हाशिए पर धकेल दिया है। वहीं नशे का बढ़ता प्रचलन, शराब और मादक पदार्थों की लत युवा पीढ़ी को परिवार और समाज से काटकर हिंसा, अपराध और संवेदनहीनता की ओर ले जा रही है। जब समाज में व्यक्ति अपने स्वार्थ, वासना और तात्कालिक सुख को ही सर्वोच्च मानने लगे, तब रिश्ते साधना नहीं, सौदे बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि परिवार, शिक्षा, धर्म, मीडिया और शासन-सभी मिलकर मानवीय मूल्यों, पारदर्शिता, संवाद, नैतिकता और पारस्परिक सम्मान की संस्कृति को पुनर्जीवित करें। क्योंकि यदि मानवीय रिश्तों की बुनियाद ही हिल गई, तो न केवल परिवार टूटेंगे, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सभ्यता का पूरा ढांचा भी संकट में पड़ जाएगा।

-ललित गर्ग

जीवन में श्रेष्ठ पलों में कठोर श्रम कीजिए उत्तम परिणाम पाईये

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैंद्य जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3त्र नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है।

-संजीव ठाकुर

फ्रीबीज कल्चर से बिगड़ रही है राज्यों के सार्वजनिक खर्च की गुणवत्ता, मानव विकास को हो रहा भारी नुकसान

चुनावी फायदे के लिए केंद्र औ?र राज्य स्तर पर लगातार बढ़ती सब्सिडी और अन्य हस्तांतरणों के चलते यह चिंता बढ़ी है कि हाल के पश्चिम एशियाई संकट जैसे बाहरी झटकों के समय सरकार अर्थव्यवस्था को बचाव मुहैया कराने में सक्षम रह पाएगी या नहीं। जंग के लंबा खिंचने के साथ ही ये कमजोरियां और अधिक स्पष्ट होती रहीं। ऐसा लगा कि सरकार उपभोक्ताओं को आपूर्ति की कमी, महंगाई, धीमी वृद्धि, विनिमय दर में गिरावट और चालू खाते के असंतुलन से बचाने में सक्षम नहीं हो सकती है। ऊर्जा की कीमतों में तेजी से इजाफा हुआ और पश्चिम एशिया में संघर्ष लगातार जारी रहने के कारण वे ऊंची बनी रहीं। कच्चे तेल की कीमतों में हर10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से चालू खाते का घाटा अनुमानित रूप से सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 0.4 फीसदी तक बढ़ जाता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान को पहले के 6.9 फीसदी से घटाकर 6.6 फीसदी कर दिया है और महंगाई अनुमान को 4.6 फीसदी से बढ़ाकर 5.1 फीसदी कर दिया है।

पश्चिम एशिया में युद्ध के अलावा, वर्ष के लिए अनुमानित घाटा भी वृद्धि और महंगाई पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। एक स्वस्थ राजकोषीय वातावरण में केंद्र और राज्य सरकारें प्रभावित और कमजोर वर्गों की रक्षा के लिए आवश्यक बचाव प्रदान कर सकती हैं। हालांकि ऐसा राहत देने के लिए अब बहुत कम राजकोषीय गुंजाइश है। मुफ्त उपहारों या रेवड़ी की संस्कृति केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर सरकारों में गहराई तक पैठ बना चुकी है और सभी राजनीतिक दलों द्वारा अपनाई जा रही है।

एक बार अपनाने के बाद इसे त्यागना कठिन हो जाता है और यह बीमारी सार्वभौमिक हो जाती है। हर चुनाव चक्र के साथ इसका परिमाण बढ़ता है और यह स्थिरता तथा वृद्धि पर बहुत भारी अवसर लागत थोपता है। लगभग दो-तिहाई सार्वजनिक खर्च राज्य स्तर पर होता है और उनके पास अतिरिक्त राजस्व तक पहुंच नहीं है, इसलिए बढ़ती नि्शुल्क उपहार की संस्कृति बुनियादी ढांचे और मानव विकास पर होने वाले खर्च को सीमित कर देती है।

दुर्भाग्यवश विश्लेषक मुख्य रूप से घाटे और ऋण पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिससे राज्य खर्च की गुणवत्ता में गिरावट पर अ?धिक ध्यान नहीं दिया गया है। समग्र स्तर पर देखें तो राज्यों के राजकोषीय घाटे और ऋण ने कोई गंभीर चेतावनी नहीं दी है।

जैसा कि 16वें वित्त आयोग ने कहा है, 'राज्य की समग्र वित्तीय तस्वीर कुछ चिंताएं पैदा करती है लेकिन यह चिंताजनक नहीं है। अधिक गंभीर कमजोरियां तब सामने आती हैं जब हम अलग-अलग राज्यों को देखते हैं।' (पृष्ठ 107, पैरा 5.81)।

रिजर्व बैंक के वार्षिक राज्य वित्त लेख में भी कहा गया है, 'ज्सकल राजकोषीय घाटा- जीडीपी अनुपात केंद्र द्वारा निर्धारित 3.5 फीसदी की सीमा (जिसमें 0.5 फीसदी बिजली क्षेत्र सुधार से जुड़ा है) के भीतर बना रहा। सतत उच्च पूंजीगत व्यय राजकोषीय समायोजन की गुणवत्ता को मजबूत करता है और यह मध्यम अवधि की वृद्धि के लिए अच्छा संकेत है।' (राज्य वित्त- बजट अध्ययन 2025-26, रिजर्व बैंक।)

हालांकि ये बातें राज्यों में उभर रही राजकोषीय प्रवृत्तियों से उत्पन्न बीमारी को उजागर नहीं करतीं। घाटा और ऋण व्यापक रूप से नियंत्रित रहे क्योंकि राज्यों द्वारा लिए जाने वाले उधार की मात्रा केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित होती है। विशेषकर जब राज्य उसके ऋणी होते हैं। व्यापक आर्थिक स्थिरीकरण मुख्यतः केंद्र का कार्य है इसलिए राज्यों के उधार पर नियंत्रण केंद्र सरकार को व्यापक आर्थिक स्थिरीकरण को संतुलित करने में मदद करता है।

लेकिन शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी गुणवत्तापूर्ण क्षेत्रीय सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करना और पूंजी निवेश के माध्यम से क्षमता निर्माण पर खर्च करना राज्यों की दीर्घकालिक वृद्धि बनाए रखने के लिए महत्त्वपूर्ण है। इसलिए उपहारों की बढ़ती संस्कृति को उनके खर्च की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में देखा जाना चाहिए।

कुछ लोग तर्क दे सकते हैं कि इन उपहारों के माध्यम से पुनर्वितरण एक वैध सरकारी कार्य है क्योंकि बाजार इस कार्य को करने में विफल रहता है। यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि इसमें भारी अवसर लागत शामिल है। विडंबना यह है कि जैसा कि सोलहवें वित्त आयोग ने पहचाना है जिन राज्यों में राजस्व घाटा अधिक है, वही राज्य सब्सिडी और हस्तांतरण की उच्च मात्रा रखते हैं।

इसका अर्थ है कि इन सब्सिडियों ने वास्तव में भौतिक और मानव पूंजी पर होने वाले उत्पादक व्यय को सीमित कर दिया है। भारत में राज्यों के खर्च की प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से गुणवत्ता में गिरावट दिखाती है और नीति आयोग का राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक इसे नहीं दर्शाता। राजस्व घाटे का कुल राजकोषीय घाटे से अनुपात केवल गुणवत्ता का आंशिक संकेतक है और विकास तथा गैर विकास खर्च के बीच किया गया भेद भ्रामक है। राज्य वित्त में वर्षों से उभरता हुआ महत्त्वपूर्ण मुद्दा यह है कि यद्यपि समग्र राजस्व घाटे में केवल मामूली वृद्धि हुई है, शिक्षा पर कुल खर्च का अनुपात 2010-11 में 16.6 फीसदी से घटकर 2025-26 में 13.1 फीसदी हो गया है। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा और कल्याण पर खर्च, जिसमें विभिन्न प्रकार के नकद हस्तांतरण शामिल हैं, वह इसी अवधि में 3.4 फीसदी से बढ़कर 6.1 फीसदी हो गया है। यह दर्शाता है कि चुनावी कारणों से दी जाने वाली सब्सिडी और हस्तांतरणों की बढ़ोतरी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से बच्चों को सशक्त बनाने की कीमत पर हो रही है।

यह स्पष्ट रूप से प्रतिगामी है। रिजर्व बैंक सार्वजनिक खर्च को विकास और गैर विकास श्रेणियों में वर्गीकृत करता है जो एक त्रुटिपूर्ण वर्गीकरण है। सामान्य सेवाओं के अंतर्गत खर्च को गैर विकास माना जाता है, जबकि सामाजिक और आर्थिक सेवाओं के अंतर्गत खर्च को विकास माना जाता है।

अधिकांश सब्सिडी और हस्तांतरण सामाजिक और आर्थिक सेवाओं के अंतर्गत दिए जाते हैं और इसलिए विकास खर्च की श्रेणी में आते हैं जबकि जीवन और संपत्ति की सुरक्षा तथा अनुबंधों के प्रवर्तन पर खर्च जो विकास के लिए आवश्यक हैं, उनको गैर विकास माना जाता है।

विडंबना यह है कि यद्यपि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने राज्यों को लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये की दीर्घकालिक ब्याज-मुक्त ऋण राशि विशेष सहायता योजना (एसएएसपीआई) के तहत पूंजी निवेश के लिए दी है फिर भी जीडीपी में पूंजीगत व्यय का हिस्सा उल्लेखनीय वृद्धि नहीं दिखा पाया है। यह व्यापक रूप से जीडीपी का 2.5-2.7 फीसदी या कुल व्यय के 13-15 फीसदी पर स्थिर बना हुआ है। अतिरिक्त अनुदानों (1.5 लाख करोड़ रुपये) के बावजूद पूंजीगत व्यय की स्थिरता यह दर्शाती है कि एसएएसपीआई का प्रभाव राज्यों की बजट संबंधी बाधाओं को नरम करने और सब्सिडी तथा हस्तांतरणों को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त राजकोषीय गुंजाइश प्रदान करने का रहा है। यद्यपि इस दीर्घकालिक ऋण का सशर्त हिस्सा 63 फीसदी है, लेकिन अतिरिक्त धन की उपलब्धता के कारण राज्य स्वयं के राजस्व से वित्तपोषित पूंजीगत व्यय पर कम खर्च कर सकते हैं।

-धनंजय राजौरा

विदेशी मुद्रा जुटाने की आरबीआई रणनीति पर नए सवाल

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की एक सूची के जरिये स्पष्ट किया कि बैंक विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमा या एफसीएनआर (बी) जुटाने के लिए क्या कर सकते हैं। यह वाणिज्यिक बैंकों को अत्यंत आवश्यक स्पष्टता प्रदान करेगा लेकिन साथ ही यह कई प्रश्न भी उठाता है। बैंकों को, जिनमें उनकी विदेशी शाखाएं भी शामिल हैं, रिजर्व बैंक द्वारा घोषित स्वैप सुविधा के अंतर्गत जुटाई गई एफसीएनआर (बी) जमा राशि के विरुद्ध विदेशी ऋणदाताओं को ऋण देने या स्टैंडबाय लेटर ऑफ क्रेडिट (एक तरह की गारंटी) जारी करने की अनुमति दी गई है।

इसका उद्देश्य स्वाभाविक रूप से ऐसी जमा राशि को प्रवासी भारतीयों के लिए आकर्षक बनाना है। इस सुविधा को शुरू करने का मूल कारण केंद्रीय बैंक की विदेशी प्रवाह आकर्षित करने की इच्छा थी ताकि संभावित भुगतान संतुलन घाटे को कवर किया जा सके। पिछले वित्तीय वर्ष में भी भुगतान संतुलन घाटे में था और रिजर्व बैंक को हाजिर बाजार में शुद्ध स्तर पर 50 अरब डॉलर से अधिक विदेशी मुद्रा बेचनी पड़ी।

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई। चूंकि भारत अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है इसलिए चालू वित्त वर्ष में चालू खाता घाटा (सीएडी) सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 2 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद थी। भारत विभिन्न कारणों से बड़े पैमाने पर पूंजी बहिर्गमन का भी सामना कर रहा है जिससे भुगतान संतुलन पर दबाव पड़ने की संभावना थी।

यह मुद्रा बाजार में रुपये की कमजोरी में परिलक्षित हुआ। यद्यपि भारत के पास बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है फिर भी विदेशी मुद्रा प्रवाह को प्रोत्साहित करने का विचार एक एहतियाती कदम के रूप में उचित ठहराया जा सकता था। हालांकि तब से बहुत कुछ बदल गया है। पश्चिम एशिया में अभी भी जोखिम हैं लेकिन स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वह कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 30 फीसदी की गिरावट में भी नजर आता है।

इस प्रकार प्रश्न उठता है कि क्या भारत को अभी भी महंगी विदेशी मुद्रा उधारी के उच्च स्तर की आवश्यकता है जिसके लिए बैंकों को अनिवासी भारतीयों को ऋण देने की अनुमति भी दी जा रही है। ऐसी जमा राशि पर मुद्रा जोखिम रिजर्व बैंक द्वारा वहन किया जाएगा। इस समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक 10 लाख डॉलर से अधिक की जमा राशि पर नौ गुना तक लीवरेज की पेशकश कर रहा है।

गणनाएं बताती हैं कि यह 14 फीसदी से अधिक के रिटर्न में बदल सकता है। अन्य बैंक भी अनिवासी भारतीयों के लिए इसी तरह की योजनाएं लेकर आ सकते हैं। बैंकरों ने इस समाचार पत्र को बताया कि 2013 में भी इसी तरह की संरचना की पेशकश की गई थी जब भारत तथाकथित टेपर टैंट्रम प्रकरण के दौरान मुद्रा संकट का सामना कर रहा था। हालांकि आज परिस्थितियां कहीं बेहतर हैं और इन्हीं के आधार पर बैंकों को ऐसी जमा राशि स्वीकार करने की अनुमति दी जानी चाहिए थी।

चूंकि बैंकों को अनिवासी भारतीयों को लीवरेज और अन्य सुविधाएं देने की अनुमति दी गई है इसलिए कई ऐसे सवाल हैं जो बहसतलब हैं। पहला, क्या वर्तमान स्तर पर 670 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार निकट और मध्यम अवधि की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है?

दूसरा, केंद्रीय बैंक विभिन्न रियायतों और प्रोत्साहनों के माध्यम से अनिवासी भारतीयों और अन्य चैनलों से कितनी विदेशी मुद्रा जुटाने की अपेक्षा करता है और क्या वह पर्याप्त होगी?

तीसरा, क्या संभावित बड़े प्रवाह मुद्रा बाजार पर असर नहीं डालेंगे और आर्थिक समायोजन प्रक्रिया को बाधित नहीं करेंगे?

चौथा, यह सुनिश्चित करने के लिए कौन-से कदम उठाने होंगे कि पुनर्भुगतान सुचारु रूप से हो? और अंत में अनिवासी भारतीयों को मिलने वाले लाभ/सब्सिडी का स्तर क्या होगा?

स्वैप विंडो के माध्यम से जुटाए जाने वाले पूरे कोष के आंकड़े पाना उपयोगी होगा। यह भी ध्यान देने योग्य है कि अल्पकालिक समस्या से निपटने के प्रयास भारतीय नीति-निर्माताओं का ध्यान उन दीर्घकालिक उपायों से नहीं हटाना चाहिए जो पश्चिम एशिया संकट से उजागर हुई आर्थिक कमजोरियों को दूर करने के लिए जरूरी हैं।

-सुनील कुमार महला

26 जून विश्व नशा निरोधक दिवस पर नशा विरोधी जोरदार प्रहार

बुलंद आवाज और जोश में देश की बेटियों ने हुंकार भरी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में 26 जून विश्व नशा निरोधक दिवस पर जनजागरुकता रैलियां, संगोष्ठियां, नुक्कड़ नाटकों के द्वारा नशे के विरुद्ध जन जागरण और संकल्पित करता आ रहा है, इसी कड़ी में देवास गायत्री शक्तिपीठ द्वारा 26 जून विश्व नशा निरोधक दिवस पर गायत्री शक्तिपीठ की बड़ी संख्या में देवकन्याओं एवं कार्यकर्ताओं ने नशे के विरुद्ध जोरदार प्रहार किया।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि विश्व नशा निरोधक दिवस 26 जून को प्रातः 07 बजे गायत्री शक्तिपीठ के योग प्रशिक्षक देवकरण कुमावत एवं प्रज्ञापीठ विजय नगर के ट्रस्टी ओ. पी. श्रीवास्तव के नेतृत्व में नशा मुक्ति रैली निकाली जिसमें गायत्री शक्तिपीठ की देवकन्याओं ने नशा मुक्ति नारे और गीतों से आमजन को बहुत प्रभावित किया। सड़कों पर गूंज उठे नारे ङ्क गांजा, भांग, शराब, तम्बाकू

ये हैं सब जीवन के डाकू, नशे को दूर भगाएंगे

खुशहाली को लायेंगे, रैली में नन्हें मुन्हें बच्चों के हाथों में नशा मुक्ति की तख्तियाँ बहुत कुछ बया कर रही थी और बड़ा संदेश दे रही थी ङ्क मानो वे कह रहे थे ÷पिताजी मेरे भविष्य के लिए नशा छोड़ दो ÷ नशा मुक्ति रैली के साथ - साथ गजरा गियर्स चौराहे पर मानव श्रृंखला बनाई जो हर किसी को प्रभावित कर रही थी एवं नशा मुक्त भारत का स्पष्ट संदेश दे रही थी।

युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने केंद्र (शांतिकुंज हरिद्वार) की जानकारी देते हुए कहा कि आज 26 जून को युग तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार में अंतर्राष्ट्रीय नशा उन्मूलन सेमिनार का आयोजन भी सम्पन्न हो रहा है जिसके माध्यम से पूरे विश्व को नशा मुक्त भारत पर बड़ा संदेश मिलने जा रहा है। गायत्री परिवार के युवा आइकन डॉ. चिन्मय पंड्या इस विश्व स्तरीय नशा उन्मूलन सेमिनार को संबोधित करेंगे। रैली के दौरान गायत्री परिजन लेखा राठौड़, ओ. पी. श्रीवास्तव, हजारीलाल चौहान, अरविन्द शर्मा, सुभाष जैन, विक्रमसिंह चौधरी ने भी विश्व नशा निरोधक दिवस पर अपील की कि आइए भारत को व्यसन मुक्त बनाने में आप अपनी भूमिका अग्रणी करे एवं राष्ट्र को नशा मुक्त कर विश्व गुरु बनाए। रैली में गायत्री परिवार के प्रहलादसिंह सोलंकी, मंजू पटेल, सालिगराम सकलेचा, इन्द्रजीत शर्मा, मुनीश नामदेव, कैलाशसिंह ठाकुर, मोहनलाल सोनी, महेन्द्र राठौर, रमेश पांचाल, सुरेंद्र दुबे, बाबूलाल चौहान, नीति श्रीवास्तव, श्रद्धा निहाले, हरि भैय्या चौहान, रीता कुमावत, उषा राणावत, कार्तिक कुमार, अंश कुमार, सूर्यांशी, अन्नू पटेल, नन्दनी सहित अनेक बच्चे एवं परिजन उपस्थित थे।

सूने मकान से हजारों पर हाथ साफ कर गए बदमाश, फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने किया मामला दर्ज

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम रामपुरा मेवासा के एक सूने मकान से बदमाश आभूषण व नगदी चुरा ले गए। जहां वारदात हुई उसके पास ही घर वाले खाना खाकर सो रहे थे और बदमाश नकूचा तोड़कर घर में घुसे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरियादी महेश सेन ने बताया कि गांव में उनके दो मकान हैं। एक मकान में वे परिवार के साथ रहते हैं, जबकि पास के कच्चे मकान में गाय बांधते हैं और वहीं गृहस्थी का सामान रखा रहता है। 24 जून की रात भोजन करने के बाद परिवार सो गया था। अगले दिन सुबह उनके भाई बाबूलाल गाय का दूध निकालने पहुंचे तो कच्चे मकान के दरवाजे की कड़ी टूटी मिली। अंदर जाकर देखने पर सामान रखने वाली बड़ी पेटी का नकुचा उखड़ा हुआ था और सारा सामान बिखरा पड़ा था। फरियादी के अनुसार घर से बदमाश लगभग 300 ग्राम चांदी की पायजेब, करीब 100 ग्राम अन्य चांदी के आभूषण, पीतल के बर्तन, 5 हजार रुपए नकद और एक पुराना मिक्सर ग्राइंडर चुरा ले गए। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 15 हजार बताई जा रही है। महेश ने बतायाकि आसपास तलाश करने के बाद भी जब सामान नहीं मिला, तो महेश सेन ने सुनेरा थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलग-अलग हुए सड़क हादसों में मासूम सहित दो घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में शुक्रवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवक और एक बच्चा घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मासूम को एम्बुलेंस चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पहला हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे निपानिया डाबी के पास हुआ। पचोला बनहल निवासी शिवम काम से लौट रहा था तभी उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। जिससे शिवम घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। दूसरा हादसा शाजापुर शहर की आदर्श कालोनी स्थित गोहिल अस्पताल के बाहर हुआ। यहां सड़क किनारे खड़े मोहम्मद शेख सयान नामक बच्चे को 108 एम्बुलेंस ने टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि एम्बुलेंस चालक किसी मरीज को लेने आया था। वाहन आगे बढ़ाते समय बच्चा उसकी चपेट में आ गया, जिससे उसके सिर और माथे पर चोटें आईं। बच्चे के परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद जब उसके पिता ने एम्बुलेंस को रोकने की कोशिश की तब चालक मरीज को वाहन में बैठाकर वहां से चला गया।

निगम की बड़ी कार्रवाई निकासी न होने पर वीना कोचिंग पर लगाया ताला

प्रोजेक्शन ट्रेनिंग सेंटर को दी हिदायत

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त दलीप कुमार के निर्देश पर निगम की बड़ी कार्रवाई निकासी न होने पर वीना कोचिंग पर लगाया ताला, फायर टीम का निरीक्षण, प्रोजेक्शन ट्रेनिंग सेंटर में फायर इक्विपमेंट नहीं मिले। आयुक्त के निर्देशन में निगम की टीम के द्वारा अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव को लेकर सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। फायर विभाग ने शुक्रवार को शहर के कोचिंग सेंटरों की सघन जांच की। जांच में सुरक्षा मानकों की कमी पाये जाने पर सुतार बाखल स्थित वीना कोचिंग क्लासेस पर की ताला बंदी की कार्रवाई। इसी प्रकार पटवर्धन मार्ग के प्रोजेक्शन प्राइवेट लिमिटेड ट्रेनिंग सेंटर को फायर उपकरण लगाने के निर्देश दिए गए। निगम फायर अधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया

ने निगम की टीम के साथ दो कोचिंग सेंटरों का किया निरीक्षण।

निरीक्षण के दौरान- वीना कोचिंग क्लासेस, सुतार बाखल- तलघर, प्रथम और द्वितीय तल पर कोचिंग चल रही है। निरीक्षण दौरान- तलघर में निकासी का कोई रास्ता नहीं है।

- प्रथम तल से बाहर निकलने की जगह मे कमी होने पर।

- पीछे का निकासी द्वार बंद और शटर खराब पाये जाने पर।- द्वितीय तल पर सिर्फ एक ही निकासी द्वार होने एवं सुरक्षा मानकों का उल्लंघन होने पर फायर टीम ने मौके पर ही कोचिंग सेंटर पर ताला लगाया। वर्तमान में 40 छात्र करते हैं अध्यन।

प्रोजेक्शन प्राइवेट लिमिटेड, पटवर्धन मार्ग

तृतीय तल पर चल रहे इस ट्रेनिंग सेंटर में- एक भी फायर एक्सटिंग्विशर नहीं मिला।

- बाहर निकलने के 2 रास्ते और एक लिफ्ट तो है, पर फायर सेफ्टी उपकरण नही पाये गये। मौके पर संचालक को क्लास रूम और आने-जाने के रास्तों में तुरंत फायर एक्सटिंग्विशर व अन्य बचाव उपकरण लगाने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश- आयुक्त दलीप कुमार ने निगम अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शहर के सभी कोचिंग सेंटर, अस्पताल, स्कूल, होटल, मॉल और ऐसी व्यावसायिक बिल्डिंग जहां गेस्ट ठहरते हैं एवं मजदूर व कर्मचारी रहते हैं, उनकी फायर सेफ्टी की गहन जांच की जाए। मानकों में कमी पाई जाने पर तत्काल ताला बंदी की कार्रवाई करें।

घर की मरम्मत के दौरान दीवार गिरने से मजदूर घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के दायरा मोहल्ला में शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे घर की मरम्मत के दौरान दीवार गिरने से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे मलबे से निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार 60 वर्षीय शन्नू पिता इमाम खान निवासी दायरा अपने ही घर में निर्माण और मरम्मत का काम कर रहे थे। इसी दौरान पास की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई और वे उसके नीचे दब गए। जिससे उसके सिर में चोट आई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

नगर में निकली नाल साहब की मशाल सवारी, 5 हजार से अधिक समाजजन हुए शामिल

500 पुलिसकर्मियों ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोहर्रम की 9वीं तारीख पर गुरुवार रात नाल साहब की मशाल सवारी निकाली गई। रात करीब 11 बजे पिंजारवाड़ी से शुरू हुई इस सवारी में 5 हजार से अधिक अकीदतमंद शामिल हुए। इस दौरान लोगों के हाथों में जलती मशालें थीं और वे श्या अली, या हुसैनश् के नारे लगा रहे थे।

सवारी में शहर के सभी अखाड़े शामिल हुए। युवा मशालें लेकर दौड़ते नजर आए, वहीं जंजीरों में जकड़े नाल साहब को पारंपरिक तरीके से शहर के प्रमुख मार्गों से गुजारा गया। इस ऐतिहासिक सवारी को देखने के लिए जिलेभर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नाल साहब पर चांदी की नाल चढ़ाकर अपनी मन्नतें पूरी होने की दुआ मांगी। सवारी के दौरान शहर के विभिन्न मोहल्लों में स्थापित दुलदुल और बुर्राक को विशेष सलामी दी गई। इन्हीं स्थलों के आधार पर सवारी का मार्ग निर्धारित किया गया था। यह जुलूस करीब दो घंटे तक चला, जिसमें हजारों लोग मौजूद रहे। जुलूस को शांतिपूर्ण

और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मुस्लिम समाज के स्वयंसेवकों ने भीड़ प्रबंधन में पुलिस का सहयोग किया।

सुरक्षा के लिए 500 पुलिस जवान तैनात- सुरक्षा व्यवस्था के तहत जिला पुलिस बल, एसएएफ, होमगार्ड और कोटवार सहित लगभग 450 जवान तैनात किए गए थे। इसके अतिरिक्त करीब 50 पटवारी और प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी भी निगरानी में लगे रहे। पुलिस और प्रशासन की सतर्कता के बीच मशाल जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

अनुशासन के साथ निकला मशाल जुलूस - मीडिया प्रभारी आफताब अली ने बताया कि मोहर्रम कमेटी के सदर इमरान खरखरे के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में पूरी मोहर्रम व्यवस्थाएं अनुशासित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुईं। उन्होंने लगातार कमेटी के पदाधिकारियों और प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि नाल साहब की शाही सवारी अपनी पारंपरिक गरिमा और धार्मिक आस्था के अनुरूप सफलतापूर्वक संपन्न हो। उनके नेतृत्व में शहर में अमन, भाईचारे और आपसी सौहार्द का संदेश मजबूती से प्रसारित हुआ। जुलूस के दौरान सदर शफीक खान ने अपने हाथों में अमन की मशाल थामकर शहरवासियों को प्रेम, भाईचारे, आपसी सौहार्द और शांति का संदेश दिया। युवाओं ने भी हाथों में मशालें लेकर पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ जुलूस में भाग लिया, जिससे पूरे शहर का माहौल श्रद्धा और एकता के रंग में रंगा नजर आया। जुलूस की व्यवस्थाओं की कमान मोहर्रम कमेटी के वरिष्ठ सरपरस्त शेख शमीम (सम्मू भाई), सलीम ठेकेदार, नईम कुरैशी, मिर्जा सोहराब बैग, प्रवक्ता इरशाद खान, खजांची अकरम ठेकेदार, जनरल सेक्रेटरी सफदर अली एवं अजीज मंसूरी सहित कमेटी के पदाधिकारियों ने संभाली। सभी के सहयोग से सवारी शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

ग्रामीण नल जल योजनाओं के संचालन, संधारण एवं प्रबंधन के लिए गठित होंगी जल समितियां

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण नल जल योजनाओं के संचालन, संधारण एवं प्रबंधन के लिए राज्य सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के तहत जल समितियां गठित की जाएगी। ग्राम पंचायतों में जल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने और योजनाओं के सुचारू संचालन के उद्देश्य से इन समितियों का गठन किया जाएगा।

नियमों के अनुसार प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सभा की अनुशंसा एवं पंचायत की स्वीकृति के आधार पर जल समिति का गठन किया जाएगा। पेसा अधिनियम, 1996 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में ग्राम सभाओं की अनुशंसा के आधार पर समिति गठित होगी। यदि किसी ग्राम पंचायत में पूर्व से नल जल योजना के संचालन एवं संधारण के लिए कोई समिति गठित है, तो उसका पुनर्गठन नए नियमों के अनुसार किया जाएगा। समिति गठन का आदेश पंचायत सचिव द्वारा जारी किया जाएगा।

जल समिति में सरपंच पदेन अध्यक्ष होंगे, जबकि पंचायत सचिव समिति के पदेन सचिव रहेंगे। ग्राम रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता समिति के पदेन सदस्य होंगे। समिति में नामांकित सदस्यों की संख्या अधिकतम 20 होगी। ग्राम पंचायत के प्रत्येक वार्ड से एक व्यक्ति को समिति में सदस्य बनाया जाएगा, जो संबंधित उपभोक्ता परिवार से होना आवश्यक होगा। समिति में ग्राम पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी 25 प्रतिशत रहेगी।

जल समिति में महिलाओं को न्यूनतम 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिनिधियों का चयन ग्राम पंचायत की जनसंख्या के अनुपात में किया जाएगा। लगातार तीन बैठकों में बिना उचित कारण एवं सूचना के अनुपस्थित रहने वाले सदस्य की सदस्यता समाप्त की जा सकेगी। ऐसे सदस्य के स्थान पर नियमानुसार नए सदस्य के नामांकन की अनुशंसा ग्राम पंचायत को की जाएगी। जल समितियां ग्रामीण क्षेत्रों में नल जल योजनाओं की निगरानी, संचालन और संधारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, जिससे ग्रामीणों को नियमित एवं बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

आत्महत्या करने पुल पर पहुंची महिला को जवानो ने बचाया

जिला अस्पताल में चल रहा महिला का उपचार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली थाना क्षेत्र में गोपीपुर पुलिया पर एक महिला ने कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। महिला मानसिक रूप से कमजोर और मुख बधिर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और महिला की जान बचा ली।

उसे शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे की है। डायल-112 की टीम में प्रधान आरक्षक अशोक और पायलट विजय शामिल थे। उन्होंने सूझबूझ का परिचय देते हुए महिला को समझाया और सुरक्षित रूप से पुलिया से नीचे उतारा। इसके बाद उसे वे जिला अस्पताल ले गए, जहां महिला का इलाज किया जा रहा है। आत्महत्या करने पहुंची महिला की पहचान भरड़ निवासी कोमल पति रवि के रूप में हुई है। बताया गया कि वह मानसिक रूप से कमजोर है और घटना के समय किसी बात से घबराई हुई थी। वह बोलने में भी असमर्थ है। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे भर्ती कर लिया गया है।

ननंद ने भी किया आत्महत्या का प्रयास- महिला के परिवार में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। बताया जा रहा है कि उसके पति रवि की बहन निशा ने पारिवारिक विवाद के चलते एसिड पी लिया था। गंभीर हालत में उसे पहले जिला अस्पताल लाया गया था जहां डॉक्टरों ने इंदौर रेफर करने की सलाह दी थी। हालांकि परिजनों के आग्रह पर उसका इलाज फिलहाल शाजापुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

निर्माण कार्य शुरू करने से पहले श्रम विभाग को सूचना देना अनिवार्य, पोर्टल पर करना होगा पंजीयन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रम विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा, स्वस्थ कार्य परिवेश सुनिश्चित करने और उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत अब सभी निर्माण स्थलों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था और सुरक्षा अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। इसके लिए %श्रम सेवा पोर्टल% मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्माण स्थल का विवरण, कर्मचारियों की संख्या और लोकेशन सहित अन्य आवश्यक जानकारियां एकत्र की जा रही हैं, जिससे नियोजक श्रमिकों को दी जा रही सुविधाओं का विवरण दे सकें।

भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण अधिनियम 1996 के प्रावधानों के अनुसार, किसी भी भवन या निर्माण कार्य को प्रारंभ करने से कम से कम 30 दिन पहले संबंधित क्षेत्र के अधिकारिता रखने वाले निरीक्षक को इसकी सूचना देना वैधानिक रूप से अनिवार्य है। नियोजकों को निर्माण स्थल और वहां अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की पूरी जानकारी साझा करनी होगी। यह सूचना एम.पी.बी.ओ.सी.डब्ल्यू. के ऑनलाइन पोर्टल या जिला श्रम कार्यालय के माध्यम से दी जा सकती है। निर्माण कार्य की पूर्व सूचना न देना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित नियोक्ता पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई नियोजक धारा 46 के अधीन निर्माण कार्य शुरू करने की पूर्व सूचना देने में विफल रहता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर नियोक्ता को तीन महीने तक के कारावास, दो हजार रुपये तक के जुर्माने या फिर दोनों सजाओं से दंडित किया जा सकता है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य के सभी निर्माण विभागों को भी निर्देश जारी किए गए हैं कि वे कोई भी निर्माण कार्य शुरू करने से पहले श्रम विभाग को इसकी सूचना अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए आम नागरिकों को भी इस मुहिम से जोड़ा गया है। कोई भी जागरूक नागरिक 'श्रम प्रहरी' की भूमिका निभाते हुए ऐसे किसी भी निर्माण स्थल की जानकारी दे सकता है, जिसकी सूचना श्रम विभाग को न दी गई हो। इसके लिए विभाग द्वारा एक विशेष कंट्रोल रूम नंबर 1800-233-8888 जारी किया गया है, जिस पर आमजन अपनी सूचना दर्ज करा सकते हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कलेक्टर कांफ्रेंस संपन्न, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगीकरण पर फोकस करें कलेक्टर : मुख्य सचिव श्री जैन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कलेक्टर्स से कहा है कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश को विकसित किए जाने के लिए बुनियादी रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, औद्योगीकरण और मानवसंसाधन को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन से जुड़ी योजनाओं और लक्ष्य आधारित कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए आसान प्रक्रिया अपनाएं। उन्होंने सुशासन के अनेक बिंदुओं की नियमित समीक्षा से आए बदलाव के लिए कलेक्टर्स की तारीफ की। मुख्य सचिव श्री जैन ने गुरूवार को मंत्रालय से वी.सी के माध्यम से कलेक्टर, कमिश्नर,

पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के साथ कलेक्टर्स कांफ्रेंस में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना भी इस अवसर पर उपस्थित थे। सीहोर कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री बालागुरू के., एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, डीएफओ श्रीमती अर्चना पटेल, संयुक्त कलेक्टर श्री रविंद्र परमार सहित संबंधित अधिकारी वीसी में शामिल हुए।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कलेक्टर्स से कहा कि शहरीकरण के तहत मास्टर प्लान तैयार करने के साथ औद्योगीकरण के लिए निवेश आकर्षित करने पर भी काम किया जाए। उन्होंने मध्यप्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और मानवसंसाधन के कौशल विकास पर भी काम करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि पी.एम गतिशक्ति पर निर्माण कार्यों और संपत्ति की मेपिंग चल रही है, कलेक्टर्स सी.एम गतिशक्ति पर भी प्रदेश के निर्माण कार्यों और समस्त प्रोजेक्ट की प्रगति की जानकारी अपडेट करें जिससे नियमित समीक्षा हों सके। उन्होंने शासकीय संपत्ति का उपयोग अन्य विभागों द्वारा किए जाने पर भी बल दिया। श्री जैन ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय भवन के निर्माण के बाद रिक्त हुए स्कूल भवनों में आयुष बेलनेस सेंटर, उप-स्वास्थ्य केंद्र,आगंनवाड़ी आदि संचालित किए जा सकते है।

बैठक की शुरूआत में कानून व्यवस्था की समीक्षा की गयी। मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देश दिए कि अनुभाग स्तर पर एस.डी.एम और एस.डी.ओपी तथा जिला स्तर पर डी.एम और एस.पी संयुक्त रूप से भ्रमण आदि कर कानून व्यवस्था उत्कृष्ट बनाएं। उन्होंने एनकार्ड की नियमित बैठक करने और साइबर फ्राड जैसी घटनाएं रोकने के लिए गम्भीरता से कार्यवाही करने को कहा है।

नेपानगर में वर्षों पुरानी सीवरेज समस्या से रहवासी परेशान

नेपानगर/ राजेश पटेल लारा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नेपानगर के वार्ड में ड्रेनेज एवं सीवरेज लाइन की समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है। स्थिति यह है कि हर 3-4 दिनों में सीवरेज लाइन चोक हो जाती है, जिसके कारण गंदा पानी सड़क पर बहने लगता है। संदीप अग्रवाल के घर से लेकर बैंडार ऑफिस तक आए दिन सीवरेज का पानी सड़क पर फैल जाता है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय रहवासी श्री कुमार देशमुख सहित अन्य नागरिकों द्वारा इस समस्या की शिकायत कई बार संबंधित अधिकारियों को की जा चुकी है। यहां तक कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर भी शिकायत दर्ज करवाई गई, लेकिन समाधान करने के बजाय केवल आश्वासन देकर शिकायत को बंद कर दिया गया।

समस्या की जानकारी मिलने पर समाजसेवी राजेश पटेल मौके पर पहुंचे और क्षेत्रवासियों के साथ स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे तथा सीवरेज लाइन की सफाई कर अस्थायी समाधान किया गया। इस दौरान राजेश पटेल ने नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि बार-बार उत्पन्न होने वाली इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बार-बार परेशानी का सामना न करना पड़े।

गौरतलब है कि इसी मार्ग से निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं का प्रतिदिन आवागमन रहता है। सड़क पर फैले गंदे पानी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहती है।

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन एवं नगर पालिका से मांग की है कि समस्या का स्थायी समाधान करते हुए संबंधित क्षेत्र की सीवरेज लाइन का तकनीकी परीक्षण कराया जाए तथा आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराया जाए, जिससे आमजन को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

श्रमायुक्त ने लेबर चौक पहुंचकर श्रमिकों से किया संवाद

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रमायुक्त श्री संदीप जी.आर. ने शुक्रवार को शिवपुरी शहर स्थित माधव चौक (लेबर चौक) का भ्रमण कर श्रमिकों से सीधे संवाद किया। इस दौरान उन्होंने श्रमिकों की समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही श्रमिकों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।भ्रमण के दौरान श्रमायुक्त ने न्यूनतम वेतन, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, संबल कार्ड तथा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल (बीओसीडब्ल्यू) की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पात्र श्रमिकों का इन योजनाओं में अधिकाधिक पंजीयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए श्रमायुक्त ने जिला अधिकारियों को विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही लेबर चौक पर प्रतिदिन आने वाले श्रमिकों का व्हाट्सएप समूह बनाकर शासन की योजनाओं, पंजीयन शिविरों, रोजगार के अवसरों एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों का नियमित प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।श्रमायुक्त श्री संदीप जी.आर. ने श्रमिकों के लिए लेबर चौक पर शेड, स्वच्छ शौचालय एवं शीतल पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की तथा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

संयुक्त कर्मचारी संगठन द्वारा नवागत एसडीएम अनुविभागीय दंडाधिकारी अधिकारी विवेक सोनकर का किया स्वागत अभिनंदन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संयुक्त अधिकारी कर्मचारी संगठन अध्यापक शिक्षक संगठन द्वारा नवजात अनुविभागीय दंडाधिकारी अधिकारी विवेक सोनकर का स्वागत अभिनंदन इस अवसर पर संयुक्त मोर्चे के कर्मचारी अध्यक्ष आनंद चावला तृतीय श्रेणी कर्मचारी के अध्यक्ष राजेश जोशी आलोट विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिलीप शर्मा साथी आजाद अध्यापक संघ के हमारे रणजीत सिंह सोनगरा साथी शिक्षक साथी हेमेंद्र निगम विक्रम वर्मा देवी लाल यादव कैलाश दाडीग़ शैलेंद्र गोयल आदि उपस्थित रहे।

पूर्व पार्षद संजय मीणा का जन्मदिन मनाया गया

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट नगर स्थित प्रमिला गंज चौराहे पर युवा दिलों की धड़कन और पूर्व पार्षद संजय मीणा का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया साथी नवीन मीणा वैभव मादलीया साकेत पोरवाल कपिल जोशी करण सोलंकी दीपक सोलंकी नितेश कमरिया राकेश चौहान सद्दाम हुसैन चंद्र सोलंकी शंकर सोलकी रघु दादा बंजारा पिंटू चौहान राजू कोहली वर्दी चंद पाटीदार मुकेश मकवाना गौरव त्रिवेदी पीरु पवार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे और बड़े हर्षोल्लाह से जन्मदिन मनाया गया।

आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ, ऑनलाइन पंजीयन की अंतिम तिथि 30 जून

रीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आई टी आई) रीवा में नवीन सत्र के लिए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। संस्था के प्राचार्य सौरभ शुक्ला ने बताया है कि आई टी आई के विभिन्न व्यावसायिक कोर्सेज में प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदक अब ऑनलाइन काउंसलिंग पोर्टल https://mpiticounseling.co.in/ के माध्यम से अपना ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। इस प्रवेश प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। संस्था में संचालित विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी व्यवसायों में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा 8वीं अथवा 10वीं उत्तीर्ण रखी गई है, जबकि आवेदकों की न्यूनतम आयु सीमा 14 वर्ष तय की गई है। प्राचार्य ने बताया कि संस्था में छात्रों के सुनहरे भविष्य को संवारने के लिए ट्रेडों की एक विस्तृत श्रृंखला संचालित की जा रही है। इसमें मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक मोटर मैकेनिक, वुड वर्क तकनीशियन, स्माल हाईड्रो पॉवरप्लांट तकनीशियन, कॉस्मेटोलॉजी, कंप्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्क मेंटेनेंस, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कन्वेंशनल के साथ-साथ दृष्टि बाधित एवं श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से), ड्राफ्ट्समैन मैकेनिकल, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, फैशन डिज़ाइन एवं टेक्नोलोजी, फिटर, मशीनिस्ट, मेसन, मैकेनिक मोटर व्हीकल, डीज़ल मैकेनिक, प्लंबर, स्विंग टेक्नोलोजी, सोलर तकनीशियन, स्टेनोग्राफर (अंग्रेज़ी व हिंदी), टर्नर, वेल्डर, सर्वेयर, ड्राफ्ट्समैन सिविल तथा रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग तकनीशियन जैसे महत्वपूर्ण रोजगारोन्मुखी ट्रेड शामिल हैं। प्राचार्य ने बताया कि शासकीय संभागीय आई टी आई रीवा न केवल उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करता है, बल्कि प्रशिक्षार्थियों को पोस्ट मैट्रिक, संबल और मेधावी छात्रवृत्ति जैसी विभिन्न शासकीय छात्रवृत्तियों की सुविधा भी प्रदान करता है। संस्थान में ड्यूल ट्रेनिंग सिस्टम के अंतर्गत मध्य प्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी, बद्रिका मोटर्स और रायल कार्स जैसे प्रतिष्ठित व्यावसायिक संस्थानों में ऑन-जॉब-ट्रेनिंग की बेहतरीन व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

सतना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को म.प्र. राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना संचालित की गई है। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के कार्यपालन अधिकारी अरूण कुमार शुक्ला ने बताया कि योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग के हित में विभिन्न लाईन विभागों जैसे कृषि, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, तकनीकी कौशल एवं उन्नयन विभाग, आयुष विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा जिला कलेक्टर के माध्यम से प्राप्त वाले विशेष परियोजना प्रस्तावों को वित्तीय पोषण करने हेतु अधिकतम 2 करोड रूपये तक संपूर्ण परियोजना अनुदान राशि होगी। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना का लाभ लेने हेतु आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग का होना चाहिए तथा जिले का मूल निवासी होना चाहिए।

नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है - श्री महेन्द्र सिंह यादव

अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस पर नशामुक्ति जागरूकता सेमिनार आयोजित

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा नशामुक्ति जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत बाल भवन, सिटी सेंटर में नशामुक्ति जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव एवं अध्यक्षता गंगा जगतगुरु अखाड़ा परिषद के संस्थापक जगतगुरु श्री आनंदेश्वर महाराज ने की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया, सहायक संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सुश्री नम्रता गुप्ता, डॉ. रश्मि मिश्रा, एडवोकेट धर्मेंद्र शर्मा, नारकोटिक्स विभाग के श्री आदित्य रंजन, सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री उमेश कुमार स्वर्णकार एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के श्री प्रहलाद सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ने नशे के दुष्परिणामों का सशक्त मंचन कर उपस्थित जनसमूह को नशे से दूर रहने का प्रभावी संदेश दिया। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं स्वागत उद्बोधन सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती पूर्वी अग्रवाल ने प्रस्तुत किया।

अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को अपनी ऊर्जा शिक्षा, रोजगार, खेल और राष्ट्र निर्माण में लगाकर नशे से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए।

जगतगुरु श्री आनंदेश्वर महाराज ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संयम, संस्कार और आध्यात्मिकता ही नशे से मुक्ति का सबसे प्रभावी मार्ग है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने परिवार और आसपास के लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करे।

अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया ने कहा कि नशा मुक्ति केवल शासन का अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी का आंदोलन है। जब समाज, परिवार, शैक्षणिक संस्थान और प्रशासन मिलकर कार्य करेंगे, तभी नशामुक्त ग्वालियर एवं नशामुक्त भारत का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा।

सेमिनार में उपस्थित वक्ताओं डॉ. रश्मि मिश्रा, एडवोकेट धर्मेंद्र शर्मा, श्री आदित्य रंजन, श्री उमेश कुमार स्वर्णकार एवं श्री प्रहलाद ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने परिवार एवं समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुँचाने का आह्वान किया।

अजाक्स संगठन भीकनगाव द्वारा मेघावी विध्यार्थीयो के सम्मान पुरूस्कार कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समय प्रबंधन और तनाव मुक्त जीवन के साथ रुचि अनुसार विषय चयन करें जरुर सफलता मिलेगी डी,के,गाठे सेवा निवृत्त अधीक्षण यंत्री उक्त विचार अजाक्स संगठन भीकनगाव द्वारा आयोजित मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में विचार रखते हुए एम पी ई बी में सेवा निवृत्त अधीक्षण यंत्री डी, के,गाठे ने अजाक्स के छात्र छात्राओं को करियर गाइडेंस मार्गदर्शन देते हुए विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा निवृत्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ डी एस सोलंकी ने की।

विशेष अतिथि समाजसेवी राकेश सिंह चौहान,डा इकबाल,एवं डा,एस आर, किरावर तथा सेवा निवृत्त प्राचार्य डा, अजय नारमदेव,अजाक्स के संभागीय महासचिव, के बी,मंसारे बी, ए,सी,वाणी विलास वानखेड़े थे ।सर्व प्रथम अंबेडकर भवन परिसर में संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर जी के मूर्ति पर पुष्प मालाएं अर्पित की गई। अतिथि स्वागत, तहसील अध्यक्ष अजाक्स कृष्णलाल गांगले, ब्लाक अध्यक्ष चैन सिंह डावर, आत्माराम अटोदे, रमेश चक्रवर्ती,नांदला डावर, जबरसिंह मोरे,रायमल बरडे ने राजेश फरकले,सोनाली वर्मा,नेकिया।जादु नहीं विज्ञान हैं पर वायु दाब सिद्धांत, दैनिक जीवन में विज्ञान के अनेक चमत्कार से श्री नारमदेव सर ने बच्चों को खूब हंसाया तथा वर्तमान मौसम में सांप निकलना है। उससे बचाव।मानव के साथ पारिस्थितिक तंत्र का सांप से संबंध है उसे मारे नहीं उससे बचाव के उपाय बताए।साथ ही काटने पर बाबा, ओझा, झाड़ फूंक से बिल्कुल बचें। तत्काल समीप के दवाखाना पहुंचने की सलाह दी।डा, सोलंकी ने बच्चों को बताया कि पढाई पुरी करें,बीच में नहीं छोड़े, शिक्षा बहुत जरूरी है। किशोर पिपलदे ने विचार रखते हुए कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर दुनिया के विद्वानों में एक थे। महिला शिक्षा,आरक्षण, संवैधानिक अधिकार और भारत के संविधान निर्माता हमारे पूजनीय है। भीकनगाव वि खंड और झिरन्या के सत्तर प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त दसवी बारहवीं के एक सौ दस छात्र छात्राओं को शील्ड अभिनंदन सम्मान पत्र के साथ अतिथियों के कर कमलों से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन कृष्णलाल गांगले और आत्माराम अटोदे ने किया। आभार सुभाष तड़वी ने व्यक्त किया। उक्त जानकारी समाजसेवी विनोद आढ़तिया द्वारा दी गई।

भसुआ रेत के अवैध उत्खनन एवं भंडारण के प्रकरणों में कलेक्टर ने लगाया 23.62 लाख रूपये का अर्थदण्ड

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह भसुआ रेत के अवैध उत्खनन एवं अवैध भंडारण के दो अलग-अलग प्रकरणों में आदेश जारी कर दोषी व्यक्तियों पर 23 लाख 62 हजार 500 रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है। श्री सिंह ने अर्थदंड की राशि समयावधि में जमा नहीं करने पर अवैध उत्खननकर्ता और अवैध भंडारणकर्ता से भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के अनुसार वसूली एवं कुर्की करने के निर्देश दिये हैं।

भसुआ रेत के अवैध उत्खनन एवं भंडारण के ये प्रकरण सिहोरा तहसील के ग्राम खम्हरिया कटरा के हैं। जहां दो वर्ष पहले 10 जून 2024 को तहसीलदार और सहायक खनिज निरीक्षक द्वारा की जांच की गई थी। जांच के दौरान गांव के निवासी महेंद्र कुमार और सुरेंद्र कुमार को निजी भूमि से 240 घनमीटर भसुआ रेत का अवैध उत्खनन करने का दोषी पाया गया था। वहीं, पुरुषोत्तम कौल द्वारा शासकीय भूमि पर बिना अनुमति के 75 घनमीटर भसुआ रेत का अवैध भंडारण किया गया था। भसुआ रेत के अवैध उत्खनन और अवैध भंडारण के ये दोनों प्रकरण जिला खनिज अधिकारी द्वारा कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किये गये थे।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने दोनों प्रकरणों में सुनवाई के बाद भसुआ रेत का अवैध उत्खनन करने का दोषी पाये जाने पर महेंद्र कुमार और सुरेन्द्र कुमार पर रायल्टी की 15 गुना 4 लाख 50 हजार की अर्थशास्ति एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ती के 4 लाख 50 हजार रूपये और कुल 9 लाख रूपये का शास्ति अधिरोपित की। लेकिन महेंद्र कुमार और सुरेन्द्र कुमार द्वारा प्रशमन के लिये तैयार नहीं होने पर कुल अधिरोपित शास्ति को दोगुना कर 18 रूपये लाख कर दिया गया।

इसी प्रकार शासकीय भूमि पर भसुआ रेत का अवैध भंडारण करने पर पुरुषोत्तम कौल के विरुद्ध रायल्टी का पंद्रह गुना 1 लाख 40 हजार 625 रूपये तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ती के 1 लाख 40 हजार रूपये और कुल 2 लाख 81 हजार 250 रूपये की शास्ति अधिरोपित की गई। लेकिन प्रशमन के लिये तैयार नहीं होने पर इसे बढ़ाकर दोगुना 5 लाख 62 हजार 500 रूपये कर दिया गया।

कलेक्टर ने खनिज (भसुआ) के अवैध उत्खनन एवं अवैध भंडारण के इन प्रकरणों में उत्खननकर्ता एवं भंडारणकर्ता को शास्ति (अर्थदण्ड) की राशि शासन के खाते में जमा कर चालान की प्रति जिला खनिज अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के आदेश दिये हैं।

चार अपराधियों को हर माह थाने में लगानी होगी हाजिरी

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत चार आदतन अपराधियों पर सख्ती करते हुए उन्हें निर्धारित तिथियों पर हर माह संबंधित पुलिस थाने में अनिवार्य रूप से हाजिरी लगाने के आदेश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर जारी आदेश के अनुसार, आधारताल थाना क्षेत्र के अंतर्गत जगदंबा कॉलोनी, महाराजपुर निवासी 19 वर्षीय लकी गोटिया तथा गोरखपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाथीताल कॉलोनी निवासी 23 वर्षीय कबीर यादव को आगामी चार माह तक प्रत्येक माह की 15 और 25 तारीख को संबंधित थाने में उपस्थित होना होगा। वहीं, गोहलपुर थाना क्षेत्र के मोतीनाला पुल के पास बंधैया मोहल्ला निवासी 34 वर्षीय गगन यादव तथा कटंगी थाना क्षेत्र के ईदगाह मोहल्ला कटंगी निवासी 22 वर्षीय अरबाज मंसूरी को तीन माह तक प्रत्येक माह की 25 तारीख को संबंधित थाने में हाजिरी लगानी होगी। चारों अपराधियों पर मारपीट करने, गाली गलौच करने, लूटपाट करने, अवैध शस्त्र रखने, चाकूबाजी, हत्या का प्रयास, घर में घुसकर तोड़ फोड़, जान से मारने की धमकी देने, बलवा करने और जुआँ-सट्टा खेलने जैसे अपराध दर्ज हैं।

पॉक्सो मामलों के त्वरित निस्तारण में राजगढ़ बना प्रदेश का नंबर-1 जिला मुख्य सचिव की समीक्षा में मिली प्रशंसा

राजगढ़/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव द्वारा आयोजित कानून-व्यवस्था, नवीन न्याय संहिता एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक में राजगढ़ जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई। बैठक में बताया गया कि पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत प्रकरणों का दो माह के भीतर निराकरण करने में राजगढ़ जिले ने पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिसके लिए पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन की प्रशंसा मुख्?य सचिव द्वारा की गई। इसके अतिरिक्त भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत प्रकरणों की विवेचना 60 दिवस के भीतर पूर्ण कर निराकरण करने में भी राजगढ़ जिला प्रदेश के शीर्ष 10 जिलों में शामिल हुआ है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जिले को बधाई देते हुए जिला पुलिस प्रशासन के कार्यों की प्रशंसा की गई। मुख्य सचिव ने राजगढ़ जैसे संवेदनशील जिले में प्रभावी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने हेतु किए जा रहे समन्वित प्रयास सराहनीय हैं।

बैठक में विभिन्न आपराधिक प्रकरणों एवं अपराध नियंत्रण संबंधी कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने गंभीर एवं संवेदनशील प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध खनन, खनिजों के अवैध परिवहन तथा अवैध भंडारण के विरुद्ध की जा रही कार्यवाहियों की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समन्वित रूप से सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए।बैठक में शैक्षणिक परिसरों को ड्रग फ्री जोन घोषित करने हेतु की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा की गई।

नशे के खिलाफ जागरूकता के लिए तीन स्थानों पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ग्वालियर द्वारा शुक्रवार को बाल सम्प्रेक्षण गृह, केन्द्रीय जेल तथा विवेकानंद नशा मुक्ति केन्द्र, थाटीपुर में तीन विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में नशे से होने वाले दुष्प्रभाव, इससे बचाव के उपाय, नशा पीड़ितों के विधिक अधिकार तथा निःशुल्क विधिक सहायता संबंधी जानकारी दी गई।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री पुष्पेन्द्र सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए।

बाल सम्प्रेक्षण गृह में आयोजित शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री व्ही.पी.एस. चौहान ने बच्चों को नशीली दवाओं से होने वाले शारीरिक दुष्प्रभाव और उनसे बचाव के उपाय बताए। सचिव श्री पुष्पेन्द्र सिंह ने नशा पीड़ितों तथा बच्चों के लिए उपलब्ध विधिक अधिकारों और कानूनी संरक्षण की जानकारी दी।

केन्द्रीय जेल में आयोजित शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अंकुर तिवारी ने बंदियों को नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव, उनसे होने वाली बीमारियों तथा एचआईवी/एड्स से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती अदिति तिवारी ने भी नशे की रोकथाम और बचाव पर मार्गदर्शन दिया। सचिव श्री पुष्पेन्द्र सिंह ने बंदियों को नालसा की नशा पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएँ योजना, प्ली बार्गेनिंग तथा निःशुल्क विधिक सहायता के प्रावधानों से अवगत कराया।

विवेकानंद नशा मुक्ति केन्द्र, थाटीपुर में आयोजित शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री ऋषभ दीक्षित ने बच्चों और युवाओं में बढ़ते नशे के प्रचलन, इसके सामाजिक दुष्प्रभाव तथा बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। केन्द्र के संस्थापक ने भी नशीली दवाओं और उनकी अवैध तस्करी से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला।

NAME CHANGE

My name before marriage was Archna Parmar. After marriage, my name changed to Archana Solanki. However, in all my other official documents, my name is recorded as Archana Singh Solanki. Therefore, in the future, I should be known and addressed only by the name Archana Singh Solanki.

Archana Singh Solanki
7-C, Mahananda Nagar,
State Bank Colony,
Ujjain (M.P.) 456010

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अंतर्गत 191 तीर्थयात्रियों का हरिद्वार-ऋषिकेश के लिए प्रस्थान

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को दिखाई हरी झंडी सरकार वरिष्ठ नागरिकों की आस्था और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध - मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत दिनांक 26 जून 2026 से 29 जून 2026 तक आयोजित होने वाली हरिद्वार-ऋषिकेश यात्रा हेतु झाबुआ जिले के तीर्थयात्रियों को शुक्रवार को मेघनगर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन द्वारा रवाना किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने विशेष भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का फीता काटकर शुभारंभ किया तथा हरी झंडी दिखाकर तीर्थयात्रियों को यात्रा के लिए रवाना किया।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत इस यात्रा में झाबुआ जिले से लगभग 191 तीर्थयात्री, 4 अनुरक्षक एवं 5 सुरक्षाकर्मी सम्मिलित हुए हैं। यात्रा के दौरान तीर्थयात्री हरिद्वार एवं ऋषिकेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग की भावनाओं और आस्था का सम्मान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना इसी संवेदनशील सोच का परिणाम है, जिसके माध्यम से प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अनेक ऐसे वरिष्ठजन हैं, जिनकी वर्षों से तीर्थ यात्रा करने की इच्छा होती है, लेकिन विभिन्न कारणों से वे यात्रा नहीं कर पाते। ऐसे सभी श्रद्धालुओं को सम्मानपूर्वक एवं सुरक्षित वातावरण में तीर्थ दर्शन कराने का कार्य प्रदेश सरकार कर रही है। सरकार का उद्देश्य केवल तीर्थ यात्रा कराना नहीं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों की आस्था, सम्मान और भावनाओं को संबल प्रदान करना है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत यात्रियों के लिए आवागमन, भोजन, आवास, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाती हैं, जिससे श्रद्धालुजन पूर्ण श्रद्धा और सुविधा के साथ अपनी यात्रा संपन्न कर सकें। उन्होंने सभी तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा पूर्ण कर पुनः अपने घर लौटें तथा अपने अनुभवों से समाज को भी प्रेरित करें।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने तीर्थयात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आप सभी मेघनगर से हरिद्वार और ऋषिकेश की पवित्र यात्रा पर प्रस्थान कर रहे हैं। आप सभी वरिष्ठ नागरिकों ने अपने जीवन में परिवार, समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपकी सेवाओं और अनुभवों के सम्मान स्वरूप मध्यप्रदेश शासन द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के माध्यम से आपको तीर्थ दर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

कलेक्टर ने कहा कि सर्वप्रथम मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं । उन्होंने यात्रियों से आग्रह किया कि यात्रा के दौरान अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा जिस उत्साह और प्रसन्नता के साथ यात्रा पर जा रहे हैं, उसी प्रसन्नता और स्वस्थता के साथ वापस लौटें।

तीर्थयात्रियों का किया गया सम्मान- कार्यक्रम के दौरान जिले के समस्त तीर्थयात्रियों का पुष्पमालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा उन्हें प्रतीकात्मक यात्रा टिकट प्रदान किए गए। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर- कार्यक्रम के अंत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं तीर्थयात्रियों का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया एवं अन्य अतिथियों द्वारा भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर हरिद्वार-ऋषिकेश के लिए रवाना किया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री भानु भूरिया , जनप्रतिनिधिगण , अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने भैरूंदा सब जेल का किया निरीक्षण

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने भैरूंदा सब-जेल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जेल में नशामुक्ति एवं विधिक साक्षरता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। उन्होंने बंदियों को नशामुक्ति के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नशे की लत जीवन को बर्बाद कर देती है एवं कई अपराध नशे के कारण होते हैं। उन्होंने बंदियों से कहा कि यदि आप नशा छोड़ना चाहते हैं तो पूरे मन से संकल?प लें। इस अवसर पर सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने बंदियों को बताया कि यदि वे नशा छोड़ना चाहते हैं तो उनकी लत निशुल्क नशा मुक्ति केंद्र के माध्यम से छुड़ाने में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सदैव उनकी मदद करेगा। इस दौरान उन्होंने नालसा डॉन स्कीम के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। शिविर में बंदियों के विधिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई, बंदियों से स्वास्थ्य की जानकारी ली गई एवं संपूर्ण जेल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बंदियों की समस्याओं को सुना और यथोचित निराकरण भी किया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश श्रीमती उषा तिवारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, जेल स्टॉफ एवं बंदीगण उपस्थित रहे।

विशाल जनजागरूकता रैली निकालकर दिया नशामुक्ति का संदेश

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत सीहोर में जनजागरूकता रैली एवं जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। यह जनजागरूकता रैली आवासीय खेलकूद संस्थान से प्रारंभ हुई और पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में रैली का समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बताया गया कि नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं को नशे की लत से दूर कर स्वस्थ, सुरक्षित एवं सशक्त समाज का निर्माण करना है। नशे के विरुद्ध जनभागीदारी ही इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है। इस अवसर पर अतिथियों ने हस्ताक्षर अभियान में भाग लेकर सभी को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया और सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी ली। कार्यक्रम में नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत 17 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। अभियान के दौरान मिनी मैराथन, नुक्कड़ नाटक, रंगोली, स्लोगन लेखन, निबंध लेखन, चित्रकला, हस्ताक्षर अभियान, सेल्फी पॉइंट सहित अनेक जनजागरूकता गतिविधियां जिले की शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं में आयोजित की गई थीं। रैली में ऑक्सफोर्ड स्कूल बैंड द्वारा आकर्षक एवं प्रेरणादायी प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में समाजसेवी श्रीमती अरुणा सुदेश राय, श्री सुदीप प्रजापति, आवासीय प्राचार्य श्री आलोक शर्मा श्री अंकुर शर्मा, सुश्री ओम शांति, सहायक संचालक श्री महेश यादव सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक और बड़ी संख्या में नागरिक शमिल हुए।

जन चेतना अनेक सामाजिक बुराइयों का निदान है

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। नशे से मुक्ति नशा मुक्त भारत बनाने की युक्ति मादक द्रव्य पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी पर हम प्रभावी रूप से तभी लगाम लगा सकते हैं जब सामाज भी इस प्रकार के मादक द्रव्य पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी रोकने में योगदान दें। शासन, प्रशासन एवं समाज के समन्वय से ही हम बड़ी से बड़ी सामाजिक चुनौती से पार पा सकते हैं। कुछ इसी तरह से जन चेतना जगाने के लिए बड़वानी शहर के युवा व्यापारियों एवं अन्य सक्रिय युवकों का समूह ट्रस्ट के स्वयं सेवकों के साथ शिवकुंज योगा ग्रुप के द्वारा वाहन रैली के माध्यम से गली-गली जन चेतना का संचार किया। श्रीमती जयति सिंह कलेक्टर एवं आशाग्राम ट्रस्ट के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के समन्वय से आशाग्राम ट्रस्ट एवं शिवकुंज योगा ग्रुप के द्वारा आयोजित की गई जागरण यात्रा के तहत मोटरसाइकिल पर सवार स्वयंसेवक शिवकुंज आशाग्राम से रैली प्रारंभ कर कारंजा चौराहा ,एमजी रोड, रंजीत चौक,झंडा चौक, जैन मंदिर चौराहा से बावनगजा रोड होते हुए श्रीराम चौक कोर्ट चौराहा पहुंचे जहां पर एक स्वर में मादक द्रव्य पदार्थ का दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी रोकने के लिए अपनी आवाज बुलंद की। सभी सदस्यों ने सामूहिक शपथ लेकर सामाजिक पहल निरंतर बनाए रखने का प्रण किया। इसी के साथ 17 जून से प्रारंभ हुए जन चेतना अभियान का 26 जून को समापन हुआ। इस दौरान श्री रौनक सोलंकी उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहाड़िया ने शिवकुंज योगा ग्रुप एवं सभी सहभागी सदस्यों का आभार माना।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर नशामुक्त समाज निर्माण का लिया संकल्प, नागरिकों ने ली नशामुक्ति शपथ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में मादक द्रव्यों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस (अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस) के अवसर पर शुक्रवार को स्थानीय बस स्टैंड झाबुआ में जागरूकता कार्यक्रम एवं नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्री पंकज सांवले द्वारा स्वास्थ्य विभाग एवं विभिन्न अशासकीय संस्थाओं के समन्वय से किया गया। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुश्री निधि ठाकुर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के पुष्पमाला से स्वागत के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री एम.एल. चोपड़ा, जिला विधिक अधिकारी श्री जयदेव मानिक, ब्रह्माकुमारी संस्था से ज्योति दीदी, ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े श्री राकेश जी, जो रोटरी क्लब इंदौर के अध्यक्ष भी हैं, गायत्री परिवार के जिला समन्वयक श्री घनश्याम बैरागी तथा श्री शंभूनाथ पुरोहित विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े श्री राकेश भाई ने नशामुक्ति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि योग और आध्यात्मिकता के माध्यम से मन को नियंत्रित कर नशे की प्रवृत्ति से मुक्ति प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का आह्वान किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री एम.एल. चोपड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि परिवार के सदस्यों के बीच सकारात्मक संवाद नशे की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि परिवारों को नशे के दुष्परिणामों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए तथा नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

जिला विधिक अधिकारी श्री जयदेव मानिक ने कहा कि अधिकांश अपराधों की जड़ नशा है। उन्होंने कहा कि झाबुआ जिले की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध एवं गौरवशाली है, इसलिए समाज को यह संकल्प लेना होगा कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से नशे की प्रवृत्ति को समाप्त किया जाए।

गायत्री परिवार के जिला समन्वयक श्री घनश्याम बैरागी ने कहा कि समाज को ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है जो स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी नशामुक्त जीवन की ओर प्रेरित करें।

कार्यक्रम के दौरान इंदौर से आए कलाकार श्री प्रदीप सोलंकी एवं श्री महेश वर्मा द्वारा नशामुक्ति पर आधारित प्रेरणादायक गीतों की प्रस्तुति दी गई। वहीं भामल से आए माता श्री ग्रुप द्वारा स्थानीय भीली भाषा में नशे के दुष्प्रभावों पर आधारित नुक्कड़ नाटिका, जागरूकता गीत एवं पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को जागरूक किया गया। सामाजिक न्याय विभाग की ओर से वरिष्ठ कलाकार श्रीमती कुसुम भूरिया द्वारा भी भीली भाषा में नशामुक्ति गीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के अंत में उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्री पंकज सांवले ने सभी अतिथियों, सहयोगी संस्थाओं एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों एवं आमजन द्वारा नशामुक्ति शपथ ग्रहण की गई तथा नशामुक्ति संकल्प बैनर पर हस्ताक्षर कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्री प्रियंक पाटीदार, श्री विजय गणावा, गायत्री परिवार एवं ब्रह्माकुमारी संस्था के सदस्य सहित बड़ी संख्या में नागरिकों एवं ग्रामीणजनों ने सहभागिता की।

लोकल लेवल कमेटी की बैठक संपन्न, मानसिक दिव्यांगजनों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में लोकल लेवल कमेटी की बैठक 24 जून 2026 को आयोजित की गई। बैठक में समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्री पंकज सांवले द्वारा जिले में निवासरत मानसिक दिव्यांगजनों की स्थिति, उनके लिए संचालित योजनाओं तथा लोकल लेवल कमेटी के दायित्वों एवं कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। उन्होंने बताया कि लोकल लेवल कमेटी द्वारा 18 वर्ष से अधिक आयु के मानसिक दिव्यांगजनों के संरक्षण एवं उनके अधिकारों की सुरक्षा हेतु विधिक संरक्षक (लीगल गार्जियन) नियुक्त करने की कार्यवाही की जाती है। इसके अतिरिक्त मानसिक दिव्यांगजनों को केंद्र शासन द्वारा संचालित निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ भी उपलब्ध कराया जाता है।

बैठक में समिति सदस्य आजाद विकलांग कल्याण समिति श्री कमलेश राठौर द्वारा संस्था की गतिविधियों एवं राष्ट्रीय न्यास के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही मानसिक दिव्यांगजनों की आर्थिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए निरामया बीमा योजना में देय अंशदान राशि का भुगतान रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से किए जाने का प्रस्ताव रखा गया।

बैठक में कलेक्टर डॉ. भरसट ने निर्देश दिए कि जिले के समस्त पात्र मानसिक दिव्यांगजनों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मानसिक दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण की व्यवस्था करने तथा आवश्यकता अनुसार इंदौर एवं धार से मानसिक रोग विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि निरामया स्वास्थ्य बीमा योजना में पात्र हितग्राहियों के अंशदान की व्यवस्था रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाएगी, जिससे अधिक से अधिक मानसिक दिव्यांगजन इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा मानसिक दिव्यांगजनों के कल्याण एवं उनके सामाजिक सुरक्षा अधिकारों को प्रभावी रूप से सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास किए जाने पर सहमति व्यक्त की गई।

खरी फाटक रोड स्थित न्यू स्टार गैस रिपेयरिंग दुकान पर आकस्मिक जांच

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसीलदार एवं संबंधित विभागीय टीम द्वारा खरी फाटक रोड स्थित काली मस्जिद के पास संचालित न्यू स्टार गैस रिपेयरिंग दुकान पर आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान दुकान संचालक श्री जलील मौके पर उपस्थित मिले और उनके समक्ष संपूर्ण कार्रवाई की गई।

निरीक्षण के दौरान दुकान परिसर में एक घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर तथा गैस संबंधी कार्यों में उपयोग होने वाला पीतल का नोजल पाया गया। मौके पर लिए गए कथनों में दुकान संचालक ने बताया कि वह लगभग 10 वर्षों से उक्त दुकान का संचालन कर रहे हैं तथा गैस स्टोव की मरम्मत, प्रेशर संबंधी सुधार कार्य और बड़े सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में गैस भरने का कार्य भी किया जाता है। जांच टीम द्वारा मौके पर उपलब्ध सामग्री का परीक्षण किया गया। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने घरेलू गैस सिलेंडर एवं पीतल के नोजल को नियमानुसार जब्त करते हुए जप्ती पंचनामा तैयार किया। कार्रवाई के दौरान आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई तथा दुकान संचालक द्वारा दो गैस पास पुस्तिकाएं प्रस्तुत की गईं। सम्पूर्ण कार्रवाई का पंचनामा तैयार कर संबंधित अभिलेखों में दर्ज किया गया है। प्रशासन द्वारा गैस सुरक्षा मानकों एवं एलपीजी के नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस प्रकार की जांच एवं निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रखने की बात कही गई है।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने बड़वानी की अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी स्नेहा को 1 लाख की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सौजन्य से मुख्यमंत्री निवास में बड़वानी जिले की होनहार अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी कुमारी स्नेहा दाओदे से भेंट की। मुख्यमंत्री ने स्नेहा एवं अन्य खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट खेल और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से स्नेहा को 1 लाख की प्रोत्साहन राशि, पुष्प गुच्छ और खेल किट प्रदान कर सम्मानित किया।

इस दौरान खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री संदीप सिंह, संचालक श्री अंशुमान यादव, संयुक्त संचालक श्री बालू यादव, जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी (बड़वानी) सुश्री संतरा निनामा, तथा हॉकी प्रशिक्षक श्री मुकेश राठौर एवं श्री रामजय चौहान उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि जापान के काकामिगहारा में 29 मई से 6 जून 2026 तक आयोजित अंडर-18 एशिया कप महिला हॉकी प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) हासिल किया था, जिसमें मिडफील्डर स्नेहा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जापान के साथ-साथ रांची राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप और ऑस्ट्रेलिया लीग में किए गए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर हॉकी इंडिया द्वारा ओमान में आगामी 20 से 25 जुलाई तक आयोजित होने वाली एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप 5ह्य के लिए भारतीय अंडर-18 टीम में स्नेहा का पुनः चयन किया गया है।

स्नेहा की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि और मुख्यमंत्री द्वारा किए गए इस सम्मान पर लोकसभा सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल, कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह,पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल,जिला हॉकी संघ, खेल विभाग के अधिकारियों तथा समस्त खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानून व्यवस्था, राजस्व प्रकरणों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की

धार/ मनीष जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था, राजस्व प्रकरणों तथा विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने सभी जिलों में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए SAFE CLICK 2.0 अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए।

साथ ही 15 से 31 जुलाई तक आयोजित होने वाले नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत सभी शैक्षणिक परिसरों को ड्रग-फ्री जोन बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित अन्य लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अविवादित नामांतरण एवं सीमांकन के मामलों को प्राथमिकता से निपटाने तथा विकास कार्यों से जुड़े भूमि अधिग्रहण प्रकरणों को शीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया। साथ ही लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत सेवाओं का समय पर लाभ उपलब्ध कराने एवं सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार हेतु प्रस्ताव 15 जुलाई तक प्रेषित करने को कहा गया।

स्वास्थ्य एवं पोषण की समीक्षा के दौरान मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए ANMOL 2.0 पोर्टल के माध्यम से हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं की रीयल-टाइम ट्रैकिंग करने पर विशेष बल दिया गया। गंभीर एनीमिया के प्रबंधन हेतु अधिकाधिक ब्लड कैंप आयोजित करने तथा प्रसूति सहायता की लंबित भुगतान राशि शीघ्र वितरित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में 14 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक संचालित होने वाले दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु घर-घर जाकर ओआरएस एवं जिंक की गोलियों का वितरण सुनिश्चित करने तथा पेयजल गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जल स्त्रोतों के नियमित क्लोरीनेशन के निर्देश दिए गए। साथ ही टीबी मुक्त अभियान के तहत निरंतर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रोगियों की पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने को कहा गया। मुख्य सचिव ने वनाधिकार अधिनियम अंतर्गत लंबित दावों के त्वरित निराकरण, जल जीवन मिशन के लंबित कार्यों में तेजी लाने, स्कूलों में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने, निपुण भारत (मिशन अंकुर) के तहत विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार, ड्रॉपआउट दर कम करने तथा क्क आईडी का शत-प्रतिशत निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जिले से कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी, अपर कलेक्टर श्री संजीव केशव पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

बड़नगर मैजिक धमाका मामले में अब एटीएस की एंट्री

मोहर्रम जुलूस में हुए हाई-वोल्टेज स्टंट में फोरेंसिक और बम निरोधक दस्ते ने जुटाए साक्ष्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोहर्रम जुलूस के दौरान 40 फीट ऊंचाई पर क्रेन से लटकाई गई मैजिक वैन में किए गए विस्फोट का मामला अब केवल स्थानीय पुलिस तक सीमित नहीं रहा। वीडियो वायरल होने के बाद पूरे घटनाक्रम ने सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान खींच लिया है। महज 24 घंटे के भीतर एटीएस, फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) और बम निरोधक दस्ता बड़नगर पहुंच गया। घटनास्थल और जब्त मैजिक वाहन की बारीकी से जांच कर विस्फोट के अवशेष, वायरिंग, जले हुए पटाखों के नमूने और अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए हैं।

जांच एजेंसियों की नजर सिर्फ विस्फोट पर ही नहीं, बल्कि मैजिक पर लिखे ले फिर आ गए संदेश और जुलूस में लहराई गई तख्तियों पर भी है। खुफिया एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इन संदेशों का उद्देश्य क्या था और कहीं इसके पीछे कोई सुनियोजित मंशा तो नहीं थी। आरोपियों के पुराने रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी शोएब ने अडान अखाड़े के बैनर तले जुलूस निकाला था। उसी ने अपने भंगार में रखी मैजिक वैन को क्रेन से लटकवाया। आरोपियों ने दावा किया है कि विस्फोट केवल पटाखों से किया गया था और इसके समर्थन में करीब आठ हजार रुपये के पटाखों की खरीद का बिल भी पुलिस को सौंपा है। हालांकि पुलिस इस बिल और पूरे घटनाक्रम की सत्यता की अलग-अलग स्तर पर जांच कर रही है।

जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि धमाके के समय जाहिद और तस्लीम उर्फ नेहरू मैजिक वाहन के भीतर मौजूद थे। विस्फोट के बाद दोनों झंडे लहराते हुए दिखाई दिए, जिसका वीडियो भी जांच एजेंसियों के कब्जे में है। यही कारण है कि अब पूरे घटनाक्रम को तकनीकी और फोरेंसिक दृष्टि से परखा जा रहा है।

इस बीच क्रेन उपलब्ध कराने वाले श्री सांवरिया क्रेन सर्विस के संचालक गोपाल राठौर ने दावा किया है कि उनसे केवल पुष्प वर्षा के लिए क्रेन किराए पर मांगी गई थी। 2500 रुपये किराया तय होने के बाद चालक सहित क्रेन भेज दी गई, लेकिन मौके पर पहुंचने के बाद आयोजकों ने उसी क्रेन से मैजिक वाहन लटकाकर विस्फोट कर दिया। राठौर का कहना है कि उन्हें इस योजना की कोई जानकारी नहीं थी।

घटना के बाद पुलिस ने आरोपी शोएब, जाहिद और तस्लीम उर्फ नेहरू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करनदीप सिंह के नेतृत्व में क्यूआरटी टीम ने संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च भी किया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जय स्तंभ चौक जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में हजारों लोगों की मौजूदगी के बीच हुआ यह विस्फोट गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है। धमाके के बाद कांच के टुकड़े काफी दूर तक बिखर गए थे। इसी वजह से एटीएस को भी जांच में शामिल किया गया है। अब सभी की नजर फोरेंसिक रिपोर्ट पर टिकी है, जिससे यह स्पष्ट होगा कि विस्फोट केवल पटाखों से किया गया था या किसी अन्य विस्फोटक या रासायनिक पदार्थ का भी इस्तेमाल हुआ। साथ ही ले फिर आ गए लिखे संदेश का वास्तविक अर्थ और उसकी पृष्ठभूमि भी जांच का अहम हिस्सा बनी हुई है।

हत्या में बदला समाधि खोदकर निकले गये साधु के शव का मामला

सीने पर लगी चोट से हुई थी मौत, आरोपी पुलिस गिरफ्त में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। समाधि खोदकर निकाले गये साधु गंगेश्वरगिरी की लाश का मामला हत्या में तब्दील हो गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सीने पर लगी चोंट से मौत होना सामने आया है। पुलिस ने मारपीट करने वाले को हिरासत में लिया है। अब साक्ष्य छुपाकर समाधि देने वालों का पता लगाया जा रहा है।

चिमनगंज थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने बताया कि 17 जून को जावरा के रहने वाले अनिल कुमार जोशी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके भाई सुनील ने 2010 में सन्यास ग्रहण कर लिया था और गंगेश्वरगिरी बन गया था। वर्तमान में वह मंगलनाथ मंदिर के सामने कुटिया में डेढ़ वर्ष से निवासरत था। 10 जून से संपर्क नहीं हो रहा है। आखिरी बार मोबाइल पर हुई बातचीत के दौरान विवाद की आवाज सुनाई दी थी। मामले में पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की थी। मंगलनाथ मंदिर के सामने कुटिया पहुंचने पर पता चला था कि 10 जून की रात गंगेश्वरगिरी की मृत्यु हो गई थी। जिसे कुटिया के पीछे समाधि दी गई है। मामला संगीन होने पर प्रशासनिक अनुमति के बाद 18 जून को समाधि खोदकर शव निकाला गया था और पोस्टमार्टम कराया गया था। 6 दिन बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने पर पता चला कि सीने में लगी चोंट के चलते मौत हुई है। रिपोर्ट के आधार पर मृतक गंगेश्वरगिरी की मोबाइल डिटेल खंगाली गई। उसने 10 जून को डायल 112 पर कॉल किया था और बताया था कि मामूली विवाद होने पर उसके साथ कौशिक पिता शशि भूषण सोनी निवासी शिवांश पैराडाइज द्वारा पानी की केन से मारपीट की गई है, सीने में दर्द हो रहा है। कॉल के दौरान गंगेश्वरगिरी को थाने आकर शिकायत दर्ज कराने की बात कहीं गई थी लेकिन वह नहीं आया था। कॉल डिटेल के आधार पर कौशिक सोनी को हिरासत में लिया गाा है। जिससे पूछताछ में विवाद होने पर पानी की केन से मारपीट करना कबूल किया। मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया है।

आस्था का केंद्र बने मंदिर, व्यवसाय का नहीं

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने मंदिर प्रशासन पर भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप लगाते हुए प्रोटोकॉल एवं सशुल्क दर्शन से जुड़े सभी आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही, अतिविशिष्ट व्यवस्था एवं सशुल्क दर्शन व्यवस्था के विरुद्ध किए गए विरोध में महाकाल मंदिर प्रबंध समिति द्वारा अपना मत प्रस्तुत न कर पाने की दशा में अप्रमाणिक जानकारी समाज के मध्य प्रसारित करने वाले घृणित कार्य को किया, यह अत्यंत निंदनीय है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नाबालिग को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 माह बाद न्यायालय ने 20 साल सलाखों में रहने की सजा सुनाई है। बालिका के दस्तयाब होने पर उसने मर्जी के खिलाफ गलत काम होना बताया था।

मीडिया सेल प्रभारी कुलदीपसिंह भदौरिया ने बताया कि मामला बड़नगर तहसील का है। 14 अक्टूबर 2024 को तहसील में रहने वाली बालिका घर से मामी के यहां जाने का बोलकर निकली थी और लापता हो गई थी। परिवार से सभी जगह तलाश करने के बाद दूसरे दिन अज्ञात युवक द्वारा बहला-फुसला कर ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर तलाश शुरू की थी। कुछ दिन बाद बालिका पुलिस ने खोज लिया था। बालिका के बयान दर्ज करने पर उसने बताया था कि अंकुश पिता शंकरलाल खराडी निवासी ग्राम खेड़ा बदनावर उसे शादी का झांसा देकर सातरूंडा माता मंदिर ले गया था और शादी कर उसे गुजरात ले गया था। जहां उसकी मर्जी के खिलाफ 3 से 4 बार गलत काम किया। बालिका के बयान पर पुलिस ने धाराओं का इजाफा कर अंकुश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। 20 माह तक चली सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश राम बिलास गुप्ता (पास्को एक्ट) बड़नगर द्वारा फैसला सुनाते हुए आरोपी को 20 साल की सजा और 11 हजार अर्थदंड से दंडित किया गया। प्रकरण में प्रभारी उपनिदेशक अभियोजन राजेन्द्र कुमार खांडेगर के मार्गदर्शन में भारती उज्जालिया विशेष लोक अभियोजक द्वारा पैरवी की गई।

चार इंच बारिश में उज्जैन की सड़कों की खुली पोल

शहर की 100 से ज्यादा कॉलोनी में चारों ओर फैल कीचड़-सड़क के गड्ढों में पानी भरने से रोज हो रहे हादसे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्मार्ट सिटी में शामिल उज्जैन की सड़कों की पहली बारिश ने ही पोल खोल दी है। शहर की करीब 100 से अधिक कॉलोनियों में सड़कें कीचड़ और पानी से भरे गड्ढों में बदल गई हैं।

शहर में अब तक कोई लगभग 4 इंच बारिश के बादमहेश नगर, सुदामा नगर, मोहन नगर, कंचनपुरा, लक्ष्मीनगर, अरिहंत धाम, महालक्ष्मी नगर और देवास रोड से जुड़े क्षेत्रों में लोगों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कई जगह सीवेज पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कें अब दलदल बन चुकी हैं। घुटनों तक कीचड़ और पानी के बीच लोग हाथ में लाठी लेकर रास्ता तलाशते नजर आ रहे हैं। बुजुर्ग, महिलाएं और स्कूली बच्चे जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे हैं, जबकि दोपहिया वाहन फिसल रहे हैं और चारपहिया वाहन कीचड़ में धंस रहे हैं। शहर में इस सीजन अब तक 108 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। नागरिकों का कहना है कि जिन सड़कों की मरम्मत मई के अंत तक पूरी हो जानी चाहिए थी, वे अब भी अधूरी पड़ी हैं। देवास रोड के कावेरी रिजेंसी मार्ग, नक्षत्र होटल-उंडासा रोड और डिवाइन सिटी क्षेत्र में री-फिलिंग धंसने से हादसों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से अधूरे निर्माण कार्य जल्द पूरा करने, जल निकासी व्यवस्था सुधारने और जिम्मेदार एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, ताकि बारिश के मौसम में लोगों को राहत मिल सके।